श्रावण शुक्ल - 3 • संवत 2080 • वर्ष - 18 • अंक - 353 • पृष्ठ - 8 • रु. 5/- • बेंगलूरु » शुक्रवार » 21-07-2023 • www.dakshinbharat.com • Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मणिपुर पर चर्चा को तैयार है सरकार, भाग रहा है विपक्ष : भाजपा
6 आतंकवाद के लिए हथियार बनते ऑनलाइन प्लेटफॉर्म
7 'यह चांडी कौन हैं?' पूछकर मुसीबत में फंसे मलयालम अभिनेता

फर्स्ट टेक

नेटफ्लिक्स ने भारत में घर से बाहर पासवर्ड साझा करने पर लगाई रोक

नई दिल्ली/भाषा। इंटरनेट के जरिये सिनेमा और अन्य मनोरंजक कार्यक्रम देखने की सुविधा देने वाली नेटफ्लिक्स ने भारत में अपने उपभोक्ताओं के घर से बाहर पासवर्ड साझा करने पर रोक लगा दी है। कंपनी ने कहा कि ऐसा करने वाले उसके उपभोक्ताओं को ईमेल भेजा जाएगा। नेटफ्लिक्स ने बृहस्पतिवार को अपने ब्लॉग में लिखा कि यदि उपयोगकर्ता ने अपने घर के बाहर किसी से पासवर्ड साझा किया तो नेटफ्लिक्स उन्हें ईमेल के माध्यम से सूचित करेगा। कंपनी ने ईमेल का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा, आज से हम भारत में उन सदस्यों को ईमेल भेजेंगे जो अपने घर से बाहर नेटफ्लिक्स का पासवर्ड साझा कर रहे हैं। ईमेल में उपयोगकर्ताओं को यह विकल्प दिया गया है कि वे नई सदस्यता लेकर किसी और के खाते पर बनाए अपने 'प्रोफाइल' को उस पर स्थानांतरित कर लें।

महाराष्ट्र : तुलजा भवानी मंदिर से देवी के कई आभूषण गायब मिले

औरंगाबाद/भाषा। महाराष्ट्र के उस्मानाबाद जिले में स्थित प्रसिद्ध तुलजा भवानी मंदिर में अधिकारियों को गिनती के दौरान देवी के कुछ आभूषण गायब मिले। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि देवी तुलजा भवानी के आभूषणों की गिनती के लिए बनाई गई समिति ने हाल ही में जिला प्रशासन के समक्ष एक रिपोर्ट दाखिल की है। रिपोर्ट के मुताबिक, भंडारण बक्से संख्या छह और सात में रखे आभूषणों में से आठ से 10 सोने व रत्नों से बने जेवर गायब पाए गए हैं जबकि कुछ के भार में भी अंतर पाया गया है। रिपोर्ट में बताया गया कि बक्सा संख्या छह से 2018 और 1963 में मंदिर के रिकॉर्ड में दर्ज दो आभूषण, जिनका भार क्रमश 109.57 ग्राम और 16 ग्राम है, गायब पाए गए।

कोविड-19 : देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,464 हुई

नई दिल्ली/भाषा। भारत में कोविड-19 के 51 नए मामले सामने आए हैं जिसके बाद उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,476 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार सुबह आठ बजे अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, इस महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या 5,31,915 है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, संक्रमितों की संख्या 4.49 करोड़ (4,49,95,055) दर्ज की गई है। कोविड-19 से ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है।

सूर्यास्त 20-07-2023 6:49 बजे | सूर्योदय 21-07-2023 6:02 बजे

BSE 67,571.90 (+474.46) | NSE 19,979.15 (+146.00)

सोना 6,178 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 77,524 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कर्जा माफी

लोकतंत्र का मालिक नेता,
वोटों के खातिर गरजा।
माफी देंगे हम कृषकों को,
होगा ना कोई हर्जा।
पर है सच्चा कौन कृषक,
जिसको देओगे यह दर्जा।
जिनके ऋणदाता साहुकार,
कैसे उनका उतरे कर्जा।।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने की घटना पर क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा

'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने की घटना पर क्षोभ व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह घटना किसी भी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली है और इस क्रूर घटना के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले, मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने देशवासियों को विश्वास दिलाया कि इस मामले में कानून सख्ती से एक के बाद एक कदम उठाएगा। उन्होंने कहा, मणिपुर की बेटियों के साथ जो हुआ है...इसके दोषियों को कभी माफ नहीं किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं इस लोकतंत्र के मंदिर के पास खड़ा हूं तब मेरा हृदय पीड़ा से भरा हुआ है, क्रोध से भरा हुआ है। मणिपुर की जो घटना सामने आई है वह किसी भी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली है। पाप करने वाले, गुनाह करने वाले कितने हैं, और कौन-कौन हैं, वह अपनी जगह पर है... लेकिन बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। 140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार होना पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने सभी मुख्यमंत्रियों से अपने-अपने राज्यों में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने और खासकर महिलाओं की सुरक्षा के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, घटना चाहे राजस्थान की ही, घटना चाहे छत्तीसगढ़ की हो, चाहे मणिपुर की हो.... इस देश में हिंदुस्तान के किसी भी कोने में किसी भी राज्य सरकार को राजनीतिक वाद-विवाद से ऊपर उठकर कानून व्यवस्था को महत्व देना चाहिए और नारी के सम्मान की रक्षा करनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मुद्दों को पिछले कुछ समय से जोरशोर से उठा रही है।

मोदी ने कहा, मैं देशवासियों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि किसी भी गुनाहगार को बख्शा नहीं जाएगा। कानून अपनी पूरी शक्ति से और पूरी सख्ती से एक के बाद एक कदम उठाएगा। मणिपुर की बेटियों के साथ जो हुआ है, इसके दोषियों को कभी माफ नहीं किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री की यह प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आने के बाद आई, जिसमें मणिपुर में पुरुषों के एक समूह द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाया जा रहा है। घटना का वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद राज्य के पहाड़ी क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया। चार मई के इस वीडियो में दिख रहा है कि कुछ व्यक्ति एक समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमा रहे हैं।

मणिपुर के 'इंडिजीनियस ट्राइबल लीडर्स फोरम' (आईटीएलएफ) के एक प्रवक्ता के मुताबिक, घृणित' घटना चार मई को कांगपोकपी जिले में हुई है और वीडियो में दिख रहा है कि पुरुष असहाय महिलाओं के साथ लगातार छेड़छाड़ कर रहे हैं और वे (महिलाएं) रो रही हैं तथा उनसे मिन्नतें कर रही हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

■ किसी भी राज्य सरकार को राजनीतिक वाद-विवाद से ऊपर उठकर कानून व्यवस्था को महत्व देना चाहिए और नारी के सम्मान की रक्षा करनी चाहिए।

मणिपुर वीडियो मामले पर केंद्र एवं राज्य सरकार फौरन करें कार्रवाई : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनकी परेड कराने के वीडियो से वह बहुत व्यथित है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इसे पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। पीठ ने केंद्र तथा राज्य सरकार से फौरन कदम उठाने और उसे यह बताने का निर्देश दिया कि क्या कार्रवाई की गई है। पीठ ने कहा, हम सरकार को कार्रवाई के लिए थोड़ा समय देंगे और अगर जमीनी स्तर पर कुछ नहीं होता है तो फिर हम कार्रवाई करेंगे। चार मई का यह वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद से मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि विरोधी पक्ष के कुछ व्यक्ति एक समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमा रहे हैं।

चीतों की मौतों में वृद्धि से शीर्ष अदालत चिंतित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से कूनो राष्ट्रीय उद्यान (मध्य प्रदेश) में लाए गए चीतों में से 40 प्रतिशत की एक साल से भी कम समय में मौत हो जाना सही तस्वीर पेश नहीं करता। साथ ही, केंद्र से इसे प्रतिष्ठा का मुद्दा नहीं बनाने और इस वन्य जीव को अन्य अभयारण्यों में भेजने की संभावना तलाशने को कहा।

न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने चीतों की मौत पर चिंता जताई तथा इसके (मौत के) कारणों और इसके निवारण के लिए किए गए उपायों की विस्तार से जानकारी देते हुए केंद्र से एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने को कहा। न्यायालय ने कहा, समस्या क्या है? क्या यहां की जलवायु उनके अनुकूल नहीं है या कोई और कारण है। 20 चीतों में से आठ की मौत हो चुकी है। पिछले हफ्ते दो मौतें हुईं। आप उन्हें अन्य अभयारण्यों में भेजने की संभावना क्यों नहीं तलाशते? आप इसे प्रतिष्ठा का मुद्दा क्यों बना रहे हैं? पीठ ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रही अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, कृपया कुछ सकारात्मक कदम उठाएं। राज्य या सरकार द्वारा उन्हें एक स्थान पर रखने के बजाय आपको उन्हें अन्य अभयारण्यों में स्थानांतरित करने की संभावना तलाशनी चाहिए।

भाटी ने कहा कि केंद्र चीतों की मौत के कारणों की विस्तार से जानकारी देते हुए एक हलफनामा दाखिल करने वाला है और उन्होंने प्रत्येक चीते की मौत से जुड़ी परिस्थितियों का वर्णन करते हुए एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने की अनुमति मांगी।

भारी बारिश

गुरुवार को धारवाड़ में भारी बारिश के कारण केएम रोड के पास पानी भर गया। भरे हुए पानी से निकलते हुए वाहन चालक।

सरकार ने गैर-बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगाई

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को गैर-बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगा दी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की एक अधिसूचना के अनुसार, गैर-बासमती सफेद चावल (अर्ध-मिल्ड या पूरी तरह से मिल्ड चावल, चाहे पॉलिश किया हुआ हो या नहीं) की निर्यात नीति को मुक्त से प्रतिबंधित कर दिया गया है। हालांकि, इसमें कहा गया है कि इस चावल की खेप को कुछ शर्तों के तहत निर्यात करने की अनुमति दी जाएगी। इसमें इस अधिसूचना से पहले जहाज पर चावल की लदान शुरू होना शामिल है। इसमें कहा गया है कि अन्य देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की मंजूरी और अन्य सरकारों के अनुरोध पर निर्यात की भी अनुमति दी जाएगी।

चंद्रमा पर उतरने के आगे के अभियानों पर काम जारी : इसरो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) चमकते खगोलीय एक्स-रे स्रोतों के विभिन्न आयामों का अध्ययन करने के लिए देश के पहले समर्पित 'पोलरिमीटर मिशन-एक्सपोसैट' (एक्स-रे पोलरिमीटर सैटेलाइट) को अंजाम देने के लिए लगभग तैयार है। यह बात अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख एस सोमनाथ बृहस्पतिवार को कही।

सोमनाथ ने कहा कि सूर्य का अध्ययन करने के लिए 'आदित्य-एल-1' मिशन की तैयारियां भी चल रही हैं। उन्होंने बताया कि सौर मंडल के बाहर स्थित ग्रहों का अध्ययन करने के लिए भी उपग्रह विकसित करने पर विचार किया जा रहा है।

इसरो के प्रमुख ने कहा, हम चांद पर उतरने से जुड़े अन्य अभियानों पर भी चर्चा कर रहे हैं।

अंतरिक्ष विभाग के सचिव सोमनाथ ने अंतरिक्ष विज्ञान प्रौद्योगिकी और जागरूकता प्रशिक्षण (स्टार्ट) कार्यक्रम 2023 के उद्घाटन समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते हुए यह बात कही।

इसरो ने 14 जुलाई को चांद पर अपना 'चन्द्रयान-3' मिशन भेजा है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि इस मिशन (चन्द्रयान-3) के माध्यम से विज्ञान के क्षेत्र में आपको कुछ अनोखा जरूर मिलेगा।

सोमनाथ ने कहा, हम आदित्य-एल-1 मिशन के माध्यम से सूर्य का अध्ययन करने और इसे समझने का भी प्रयास करेंगे। एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह लगभग तैयार है और हम तारों को बेहतर तरीके से समझने के लिए इसे (पोलरिमीटर उपग्रह) प्रक्षेपित करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अन्य खगोलीय पिंडों जैसे शुक्र को समझने के लिए मिशन पर चर्चा की जा रही है। उन्होंने बताया कि सौर मंडल से बाहर के खगोलीय पिंडों का अध्ययन करने के लिए उपग्रह विकसित करने पर भी विचार किया जा रहा है।

इसरो के अधिकारियों ने बताया कि एक्सपोसैट (एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह) दो वैज्ञानिक उपकरणों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करेगा। उन्होंने बताया कि पहला उपकरण 'पीओएलआईएक्स' (पोलरिमीटर इंस्ट्रूमेंट इन एक्स-रे) खगोलीय मूल के 8-30 किलो-इलेक्ट्रॉनवोल्ट वाले फोटॉन के मध्यम एक्स-रे ऊर्जा श्रेणी के पोलरिमीटर मानकों (ध्रुवीकरण की डिग्री और कोण) को मापेगा।

अधिकारियों ने कहा कि दूसरा उपकरण एक्सस्पेक्ट (एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड टाइमिंग) 0.8-15 किलोइलेक्ट्रॉनवोल्ट की ऊर्जा श्रेणी में स्पेक्ट्रोस्कोपिक सूचनाएं देगा।

भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा

खाने के सामान की बर्बादी रोकने के लिए चलाए जाए कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने बृहस्पतिवार को खाने के सामान की बर्बादी रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर कार्यक्रम चलाने की वकालत की। साथ ही उन्होंने पर्यावरण अनुकूल कृषि के संदर्भ में अनुसंधान के वास्ते निजी क्षेत्र से धन जुटाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

कांत ने पहले वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन 2023 को संबोधित करते हुए कहा, यह पहली बार है कि भारत की जी20 की अध्यक्षता के दौरान इस मुद्दे पर बैठक हो रही है। हमारा दृढ़ता से यह मानना है कि पर्यावरण अनुकूल कृषि और खाद्य प्रणालियों की ओर अग्रसर होने के लिए फसलों का स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल होना महत्वपूर्ण है।

कांत ने कहा, समय की मांग न केवल तात्कालिक संकट व अल्पकालिक उपायों पर ध्यान केंद्रित करने की है, बल्कि सभी देशों के लिए लंबी अवधि में अपनी खाद्य प्रणालियों को और अधिक मजबूत बनाने की भी है। उन्होंने वैश्विक खाद्य नियामकों से प्रमुख अनाज के अलावा वैकल्पिक फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने पर विचार करने का आग्रह किया।

कांत ने कहा, खाद्य असुरक्षा को कम करने के लिए खाद्य सामग्री की बर्बादी रोकने के लिए कार्यक्रमों को लागू करना भी महत्वपूर्ण है। दुनिया में भोजन की बहुत अधिक बर्बादी हो रही है।

महिला पहलवान उत्पीड़न मामला

बृजभूषण सिंह को नियमित जमानत मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान प्रमुख एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बृहस्पतिवार को नियमित जमानत दे दी। अदालत ने डब्ल्यूएफआई के निलंबित सहायक सचिव विनोद तोमर की जमानत अर्जी भी मंजूर कर ली। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल सिंह ने कहा, मैं कुछ शर्तों के साथ 25,000 रुपए के एक मुचलके पर जमानत मंजूर करता हूं।

अदालत ने आरोपी को अनुमति के बगैर देश से बाहर न जाने और मामले में गवाहों को कोई प्रलोभन न देने का भी निर्देश दिया।

दिल्ली पुलिस ने छह बार के सांसद के खिलाफ 15 जून को भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से हमला या आपराधिक बल प्रयोग करना), 354ए(यौन उत्पीड़न), 354डी (पीछा करना) और 506 (आपराधिक भयादोहन) के तहत आरोपपत्र दाखिल किया था। अदालत ने दिन में, सिंह और तोमर की जमानत अर्जियों पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

पाक: लाखों डॉलर के धनशोधन मामले में

प्रधानमंत्री शरीफ, परिवार के सदस्यों को अदालत ने किया बरी

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान की एक जवाबदेही अदालत ने करोड़ों डॉलर के धनशोधन मामले में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके परिवार के सदस्यों को बृहस्पतिवार को बरी कर दिया, क्योंकि भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत देने में विफल रही।

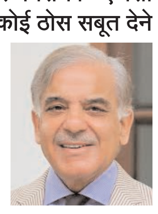

अदालत के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, एक जवाबदेही अदालत ने 2020 में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की ओर से दायर सात अरब पाकिस्तानी रुपए के धनशोधन मामले में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उनकी पत्नी नुसरत, उनके बेटे हमजा और बेटी जावरिया को बरी कर दिया। अधिकारी ने बताया कि अदालत ने प्रधानमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों को बरी कर दिया, क्योंकि एनएबी विदेशों, खासकर ब्रिटेन, में लाखों डॉलर की हेराफेरी के संबंध में संदिग्धों के खिलाफ कोई ठोस सबूत देने में विफल रही।

सुरक्षित भोजन एवं अच्छा स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। वैश्विक सतत विकास के लिए खाद्यान्न और खाद्य सुरक्षा के मुद्दों पर गहराई से विचार करने पर जोर देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि सुरक्षित भोजन और अच्छा स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं।

मांडविया ने यहां प्रथम वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन 2023 का उद्घाटन करने के बाद कहा कि सतत् विकास के लिए खाद्य सुरक्षा का बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि वैश्विक सतत विकास के लिए खाद्यान्न, खाद्य सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के मुद्दों पर गहराई से विचार करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण के तहत

एक परिवेश बनाना खाद्य नियामकों का अत्यधिक जिम्मेदार काम है जो जलवायु, मानव, पशु और पौधों के स्वास्थ्य को सामूहिक रूप से देखने के लिए मंच प्रदान करता है।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, नेपाल के कृषि एवं पशुधन विकास मंत्रीडॉ. बेदू राम भुसाल तथा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल और डॉ. भारती प्रवीण पवार भी उपस्थित थे। यह शिखर सम्मेलन का आयोजन भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने किया है।

मांडविया ने कहा कि चूंकि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों की विशेषता कृषि-जलवायु विविधताएं हैं, इसलिए खाद्य सुरक्षा पर कोई एक मानक लागू नहीं हो सकता है।

वार्षिकोत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के भद्रकाली भगवती सेवा ट्रस्ट द्वारा मुडूपाल्या क्षेत्र में आठवें भद्रकाली भगवती देवीभरण वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित महेन्द्र मुणोत ने अन्नदान कार्यक्रम की शुरुआत की व अन्न वितरण किया।

आत्मप्रशंसा नहीं अपितु कुदरत की सराहना जरुरी : आचार्य अभयशेखरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

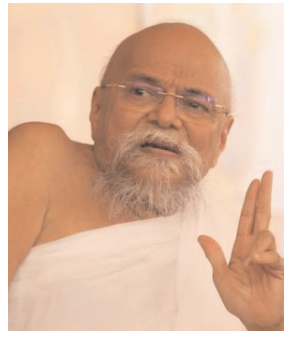

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी म.सा. ने कहा कि अवधिज्ञान के धनी धर्मदासगणिजी उपदेश मालाग्रंथ में कहते हैं सद्गति में जाने का भुगतान हमारा पुण्य है। हम सारी साधना सुकृत अच्छी तरह से कर रहे है लेकिन परलोक में जाते वक्त हमारे पुण्य का बैलेंस जीरो हो सकता है। हमें पहचानना है कि हमारी आत्मा रूपी पॉकेट में कोई छेद तो नहीं। सुकृत और साधना द्वारा आत्मा प्रशंसा की इच्छा, वाह वाह लेने की इच्छा अशुभ लेश्या है। लोक में वाह वाह हुई तो मात्र सम्मान, लेकिन अगर आत्माप्रशंसा की इच्छा छोड़ कुदरत ने आपकी प्रशंसा की तो इसका अनंत गुना फल मिलता है।

'सभी गुणों का नाश करता है लोभ'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी की निश्रा में साध्वी प्रियश्रेयांजनाश्रीजी ने कहा कि संसारी व्यक्ति के पास तत्त्व चिंतन नहीं, इसलिए वह संसार में भटक रहा है, संसारी व्यक्ति तत्त्व की जानकारी नहीं इसलिये उसका संसार दुःखमय है, जबकि साधु साध्वीजी भगवंत के पास तत्त्व की जानकारी होती है इसलिए उनका जीवन सुखमय है। व्यक्ती के पास सम्पत्ति होते हुए भी संतोष नहीं, इसलिये वह दुःखी है। कषाय 4 प्रकार के है क्रोध, मान, माया, लोभ। क्रोध प्रीति गुण का नाश करता है, मान विनय गुण का नाश करता है, माया विश्वास गुण का नाश करती है और लोभ तो सभी गुणों का नाश करता है। लोभवृत्ति जिस व्यक्ति में है वह कभी सुखी नहीं हो सकता है। कहा भी है की संतोषी नर सदा सुखी। क्रोध को समता पूर्वक सहन करने वाले को 66 सागरोपम जितने उपवास का फल मिलता है। आत्मा पर लगे हुए कर्मों की सफाई के लिए हर रोज जिन वाणी श्रवण करना चाहिए और चातुर्मास के समय तप त्याग व्रत नियम से विशेष शुद्धि करनी चाहिए।

धर्म में डुबकी लगाने से पाप कर्म धुल जाते है : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि धर्म में डुबकी लगाने से भवो भव के पाप कर्म धुल जाते है। शरीर के मेल को धोने के लिए स्वीमिंग पुल है, समुद्र जैसे पानी में डुबकी लगाते है पर अनंत काल से जो आत्मा में लगे हुए कर्म-रुपी जो मेल है, उसको अगर धोना है तो, धर्मरुपी अरिहंत परमात्मा की भक्ति, गुणीजनों की सेवा और साधु की भक्ति वैयावच्च प्रवचन श्रवण और तपरूपी धर्म में डुबकी लगाना है। आत्मा को पवित्र बनाने वाले भक्तामर महाअनुष्ठान के बारे समझाते हुए संतश्री ने कहा कि महा प्रभावशाली यह स्त्रोत है, उसका पाठ करने से हमारे में रही हुई अज्ञानता दूर होती है और इस स्त्रोत के रचयिता आचार्यश्री मानतुंग सूरीजी म.सा. है. इस स्त्रोत के अंदर 44 प्रकार की सिद्धियां है।

मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने कहा कि जैसे सूर्य के बीच में बादल आ जाते है तो सूर्य का प्रकाश पृथ्वी पर नहीं पहुंचता, वो बादल प्रकाश को अवरूद्ध पैदा करता है, वैसे ही आत्मा में भी अनंतज्ञान और अनंत दर्शन पहले से ही मौजूद है, पर कर्मरूपी, मोहरूपी बीच में आवरण आ जाता है, इसलिए संसार में भटक रहे है, इसलिए जिनके पास अनंतज्ञान हैं, अनंतदर्शन है, ऐसे अरिहंत परमात्मा एवं सिद्ध परमात्मा की भक्ति करने से हमारा कल्याण होगा। नरेन्द्र आच्छा ने बताया कि रविवार को महाप्रभावशाली भक्तामर स्त्रोत महाअनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। संतश्री की निश्रा में संतीकरम तप के लगभग 125 तपस्वी की तप आराधना साता पूर्वक चल रही है। चातुर्मास को लेकर क्षेत्र के मन में बहुत उत्साह है क्योंकि शांतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के ट्रस्ट के तत्वावधान में 23 वर्ष पश्चात संतों का चातुर्मास आयोजित हुआ है।

इच्छा आकाश के समान अनंत है : साध्वी संस्कारनिधिश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ जयनगर के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वीश्री संस्कारनिधिश्रीजी ने 'क्या मैं लालची हूं' इस विषय पर कहा कि इच्छा आकाश के समान अनंत है। आवश्यकता तो गरीब से गरीब इंसान की भी पूरी होती है लेकिन आकांक्षा धनवान से धनवान की भी कभी पूरी नहीं होती। कुत्ता अपनी गली में किसी और का प्रवेश नहीं सहन कर सकता, लोभी व्यक्ति भी मनोवृति कुत्ते जैसी है यह विकृति है। कुत्ता स्वयं को रोटी का टुकड़ा मिलने पर अपनी सारी बिरादरी को आमंत्रित करता है यह विभक्ति है। सिंह का पेट भरने के बाद वह शिकार पर नजर तक नहीं डालता। पानी की चाह में हमारी मनोवृत्ति कुत्ते जैसे न बन जाए इस बात का ध्यान रखें।

रेलवे सिर्फ स्टेशन नहीं, सही जगह तक पहुंचने में मदद करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/वार्ता। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल में देश के सवा सात सौ स्टेशनों के साथ उनसे संपर्क वाले पौने दो सौ स्थानों की मैपिंग की है ताकि आम तौर पर अलग - अलग जगहों के नाम के आधार पर खोजने पर उनके लिए उचित गाड़ी एवं स्टेशन चुनना आसान हो। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार आमतौर पर किसी बड़े शहर या लोकप्रिय गंतव्य के लिए एक से अधिक स्टेशन होते हैं और उनके लिए अलग - अलग गाड़ियां उपलब्ध होतीं हैं। कई बार दूर-दराज के यात्रियों को मुख्य स्टेशन के अलावा आसपास के संपर्क वाले स्टेशनों की जानकारी नहीं होती है और यदि वे डिजिटल प्लेटफार्म पर शहर का नाम खोजते हैं तो उन्हें सभी स्टेशनों की जानकारी नहीं हो पाती है।

सूत्रों ने कहा कि यात्रियों की इस समस्या को जानकर अब 725 स्टेशनों को उनके संपर्क वाले 175 शहरों एवं क्षेत्रों के नाम के साथ मैप किया गया है। यदि यात्री मोबाइल ऐप या आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर लोकप्रिय नाम खोजने पर उसके संपर्क वाले स्टेशन एवं वहां जाने वाली गाड़ियों को दिखाएगा। उदाहरण के लिए कोई यात्री बेंगलूरु से नोएडा जाना चाहता है तो उसे नोएडा खोजने पर हज़रत निजामुद्दीन एवं नयी दिल्ली स्टेशन का विकल्प दिखेगा।

इसी प्रकार से किसी यात्री को दिल्ली से असरवा जाना है, जो अहमदाबाद के निकट है, तो वेब प्लेटफॉर्म पर असरवा खोजने पर अहमदाबाद दिखायी देगा। इसी तरह से तिरुपति बालाजी, काशी, खाटू श्याम, बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, वैष्णोदेवी आदि लोकप्रिय गंतव्यों को उनके निकटतम एवं संपर्क वाले स्टेशनों के साथ जोड़ा गया है।

शुभ भावों से शुभ प्रवृत्ति में अग्रसर होने से होता है कल्याण : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि संसार में तीन तरह केमनुष्य है। एक शुभ प्रवृत्ति वाले, दूसरे अशुभ प्रवृत्ति वाले और तीसरे शुभ अशुभ प्रवृत्ति वाले। पहले जो कि अशुभ प्रवृत्ति वाले होते है। दूसरे जो कि शुभ से निवृत्ति वाले होते है और तीसरे कभी-शुभ से निवृत्ति में तो कभी अशुभ से निवृत्ति में होते हैं। शुभ और अशुभ स्थितियों में रहने वालों के उपर शुभ प्रवृत्ति वाले और अशुभ प्रवृत्ति वाले यू दोनों ही का दामोदार उस तीसरे पर रहता है। जो शुभ प्रवृद्धि और अशुभ प्रवृत्ति दोनों ही का नुकसान करने वाला होता है। क्योंकि शुभ-अशुभ प्रवृति वाले की संख्या में अधिक है और बलवान भी है। गुरुवार को गुड़द आनवेरी मठ के शिवयोगेश्वरस्वामीजी ने आचार्यश्री से मुलाकात की तथा धर्मचर्चा की।

यात्रा

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान गुरुवार को जम्मू एवं कश्मीर में अमरनाथ यात्रा पर निकलीं।

अन्नदान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरीनगर के सदस्यों ने गुरुवार को केंगेरी स्थित गुरुकुल विद्यापीठ में निवासित 110 निराश्रितों को हनुमानमल संजय बैद परिवार के सहयोग से नाश्ता करवाया। इस मानवसेवी कार्य में परिषद उपाध्यक्ष सुपार्श्व पटावरी, संजय बैद, सेवाकार्य प्रभारी हितेश बोथरा, सहप्रभारीहिमांशु बोथरा, एवं संदीप बैद, महेश मांडोत ने सहयोग किया।

रायगढ़ जिले में भूस्खलन से 12 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में रायगढ़ जिले के एक गांव में भूस्खलन से बारह लोगों की मौत हो गई। प्रदेश के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि भूस्खलन बुधवार रात करीब 11 बजे मुंबई से लगभग 80 किलोमीटर दूर खालापुर तहसील के इरशालवाड़ी गांव में हुआ।

यह घटना इलाके में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते हुई।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे स्थिति का जायजा लेने के लिए सुबह घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य में लगे कर्मियों से बातचीत की। उन्होंने कहा, अब तक, खोज और बचाव टीम ने 12 शव बरामद किए हैं। कम से कम 103 ऐसे लोगों की पहचान की गई है जो वहां रह रहे थे। उनमें से कुछ धान के खेतों में काम के लिए बाहर गए थे और कुछ बच्चे आवासीय स्कूलों में थे। उन लोगों की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार क्षेत्र में बचाव एवं राहत अभियान चलाने के लिए सभी प्रयास कर रही है। शिंदे ने संवाददाताओं से कहा, यह गांव भूस्खलन संभावित गांवों की सूची में नहीं था। अब हमारी प्राथमिकता मलबे में फंसे लोगों को बचाना है। शिंदे ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और राज्य सरकार प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है। लगातार भारी बारिश हो रही है और मलबे का 20 फुट ऊंचा ढेर लग गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी बचाव अभियान के लिए मशीनरी ले जाने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के लिए दो हेलीकॉप्टर तैयार रखे गए हैं, लेकिन खराब मौसम के कारण वे उड़ान नहीं भर पाए हैं।

भूस्खलन प्रभावित ग्रामीणों के पुनर्वास के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके लिए (अस्थाई आश्रयों के रूप में) 50 से 60 कंटेनर की व्यवस्था की गई है और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने की योजना है।

शिंदे ने कहा, हम जल्द ही भूस्खलन प्रभावित ग्रामीणों के उचित पुनर्वास के लिए कदम उठाएंगे। मैंने संभागीय आयुक्त और जिला कलेक्टर से बात की है और इन ग्रामीणों के स्थाई पुनर्वास के बारे में तुरंत चर्चा की है। हम इसे युद्ध स्तर पर कर रहे हैं।

इससे पहले दिन में, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने एक बयान में कहा कि वहां 48 परिवार रह रहे थे। उन्होंने कहा, घायलों का चिकित्सा व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

सुखों का त्याग करना भी धर्म होता है : साध्वी तत्वत्रयाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि अनन्त जन्मों से जीवों के साथ असंख्य वासनाएँ जुड़ी हुई हैं। आहार की वासना, भय की वासना, मैथुन की वासना और परिग्रह की वासना। ये चार प्रमुख वासनाएँ हैं। ये वासनाएँ जीवों को दुःखी करती हैं इसलिए परम करुणावंत ज्ञानी पुरुषों ने वासनाओं पर विजय पाने का, वासनाओं को नष्ट करने का उपदेश दिया। वासनाओं के ऊपर भावनाओं से विजय पा सकते हैं। वासनाओं के ऊपर विजय पाने का श्रेष्ठ उपाय है भावनाएँ। चार प्रमुख वासनाओं में से एक है परिग्रह की वासना। परिग्रह यानी सुखों का त्याग करना भी धर्म होता है, लेकिन मनुष्य सुख के मोह में परिग्रह को नहीं त्याग पाता। मानव अनेक प्रकार की वासनाओं मे फंसा हुआ है। यही वासनायें आत्म कल्याण में बाधक बनती है ।

मनुष्य अपना संसार स्वयं बनाता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी मंदिर संघ मामुलपेट के तत्वावधान में राजेन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि मनुष्य अपना संसार स्वयं बनाता है। पहले कुछ मिल जाए इसलिए कर्म करता है। फिर बहुत कुछ मिल जाये इसलिए कर्म करता है। इसके बाद सब कुछ मिल जाये इसलिए कर्म करता है। उसकी यह तृष्णा कभी ख़तम नहीं होती। जहाँ ज्यादा तृष्णा है वहाँ चिंता स्वभाविक है। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि सौ साल जिंदा रहने के लिए सौ साल की उम्र जरुरी नहीं है, ऐसा नेक काम करिए कि दुनिया आपको सौ साल तक याद करती रहें। मांगीलाल वेदमुथा ने बताया कि गुरुदेव राजेन्द्र सूरि अभिषेक का लाभ घेवरचंद मिश्रीमल उकाजी सालेचा परिवार ने लिया। आरती का लाभ भंवरलाल कटारिया संघवी ने लिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पदाधिकारी उपस्थित थे।

भारत में 5,000 अरब येन का निवेश करने का इच्छुक है जापानः सिंधिया

नई दिल्ली/भाषा। इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि जापान इस्पात सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत में करीब 5,000 अरब येन का निवेश करने का इच्छुक है। इस्पात मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग मंत्री निशिमुरा यासुतोशी के नेतृत्व में एक जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद यह बात कही।

बैठक में हुई चर्चा पर सवाल किए जाने पर सिंधिया ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमने व्यापक मुद्दों पर चर्चा की....उन रणनीतियों पर जिनपर हम भविष्य में काम कर सकते हैं, सर्वोत्तम प्रक्रियाओं, नई प्रौद्योगिकियों पर विचार साझा किए...अगले कुछ वर्षों में न केवल इस्पात क्षेत्र में बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी भारत में जापानी निवेश 5,000 अरब येन के करीब होगा... उन्होंने कहा कि बैठक सार्थक रही। यह कई ऐसे क्षेत्र और मंच प्रदान करेगा जहां भारत तथा जापान इस्पात क्षेत्र के संदर्भ में मिलकर काम करेंगे।

प्रदर्शन

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की सदस्य गुरुवार को नयी दिल्ली में मणिपुर में हिंसा के विरोध में प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करती हुईं।

बेंगलूरु को 15 अगस्त से पहले दहलाने की साजिश थी

पुलिस ने जब्त किए 4 हथगोले, जांच जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु आतंकी साजिश मामले में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। सेंट्रल सिटी क्राइम ब्रांच (सीसीबी) के अधिकारियों ने गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकवादियों के आवास से इस्तेमाल के लिए तैयार चार हथगोले बरामद किए हैं। सूत्रों से पता चला है कि संदिग्ध आतंकवादी 15 अगस्त या उससे पहले बेंगलूरु पर हमला करना चाहते थे।

सीसीबी के संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. शरणप्पा एसडी ने गुरुवार को कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों को पकड़ने वाली टीम ने बेंगलूरु के कोडिगेहल्ली इलाके में उनके आवास से चार हथगोले जब्त किए हैं। जिस संदिग्ध आतंकी को पैकेज मिला था, उसे हथगोले के बारे में पता नहीं था। ग्रेनेड घर के कमरे में अलमारी के गुप्त लॉकर में रखे गए थे। संयुक्त आयुक्त शरणप्पा ने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों ने ग्रेनेड को सुरक्षित रखने और उन्हें फटने से बचाने के लिए रासायनिक पाउडर का इस्तेमाल किया था। इस मामले को लेकर अन्य संदिग्धों पर भी नजर रखी जा रही है। जांच अलग-अलग दिशा में भी जारी है।

संयुक्त आयुक्त शरणप्पा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए पांच संदिग्ध आतंकवादियों को अदालत में पेश किया गया और सात दिनों के पुलिस हिरासत में ले लिया गया। सूत्रों ने बताया कि मामले के पांचवें आरोपी जाहिद तबरेज को सरगना मोहम्मद जुनैद से हथगोले की खेप मिली थी, जो अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों से काम कर रहा है।

सूत्रों ने यह भी कहा कि 15 अगस्त या उससे पहले बेंगलूरु में एक बड़ा हमला करने की साजिश थी। आतंकी संगठन, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध सहित विभिन्न मुद्दों पर भारत सरकार को एक मैसेज देना चाहते थे। पुलिस ने विस्फोटकों की मौजूदगी की जानकारी हासिल करने के बाद बम निरोधक दस्ते की मदद से बरामद कर लिया।

सीसीबी विंग ने बुधवार को सैयद सुहैल खान, मोहम्मद फैजल रब्बानी, मोहम्मद उमर, मुद्दस्सिर पाशा और जाहिद तबरेज को गिरफ्तार किया था। उनसे भारी मात्रा में विस्फोटक, हथियार और उपकरण जब्त किए गए थे।

लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबंध रखने वाले पांच संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी के मामले की जांच कर रही कर्नाटक पुलिस राज्य की राजधानी की सेंट्रल जेल में बंद 2008 बेंगलूरु सीरियल ब्लास्ट के संदिग्ध आतंकी टी. नजीर को पुलिस हिरासत में लेगी।

सूत्रों ने कहा कि नजीर पर गिरफ्तार युवकों का ब्रेनवॉश करने और गिरोह के कमांडर के रूप में काम करने का संदेह है। उसने आरोपियों को आदेश दिए और मोहम्मद जुनैद के माध्यम से आतंकवादियों के गिरोह को नियंत्रित किया।

नज़ीर, केरल का रहने वाला है और कथित तौर पर जेल से निर्देश देता था। गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी जेल में रहने के दौरान जुनैद के जरिए नजीर के संपर्क में आए थे।

नजीर ने उनका ब्रेनवॉश किया था और मोहम्मद जुनैद को आतंकी संगठन लश्कर से जोड़ा था। जुनैद ने बाद में गिरफ्तार संदिग्ध आतंकवादियों का फिर ब्रेनवॉश किया और आईटी सिटी बेंगलूरु में एक बड़े आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए तैयार किया।

जांच से यह भी पता चला है कि नजीर ने जुनैद को भारतीय सीमा पार करने में मदद की थी। विशेष विंग सीसीबी सूत्रों ने कहा कि नजीर को बॉडी वारंट पर हिरासत में लिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि सभी गिरफ्तार आरोपियों ने कबूल किया है कि उन्हें केंद्रीय जेल में आतंकी हमले करने के लिए नजीर ने प्रशिक्षित किया था।

कर्नाटक पुलिस 2008 बेंगलूरु सीरियल बम विस्फोट के आरोपी को हिरासत में लेगी

गिरफ्तार पांच संदिग्ध आतंकवादियों के लश्कर-ए-तैयबा से संबंध होने के खुलासे के बाद हिरासत में लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस 2008 के बेंगलूरु सिलसिलेवार विस्फोटों के संदिग्ध आतंकी टी. नजीर को अपनी हिरासत में लेगी, जो यहां केंद्रीय कारागार में बंद है। गिरफ्तार पांच संदिग्ध आतंकवादियों के लश्कर-ए-तैयबा से संबंध होने के खुलासे के बाद उसे हिरासत में लिया जाएगा। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि नजीर पर गिरफ्तार युवकों का ब्रेनवॉश करने और गिरोह के कमांडर के रूप में काम करने का संदेह है।

उसने इनको आदेश दिए और मुख्य सरगना मोहम्मद जुनैद के माध्यम से आतंकवादियों के गिरोह को नियंत्रित किया। जुनैद पर अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों से काम करने का संदेह है। सूत्रों ने बताया कि नजीर केरल का रहने वाला है और उसने कथित तौर पर जेल से निर्देश दिए थे। गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी जेल में रहने के दौरान जुनैद के जरिए नजीर के संपर्क में आए। नज़ीर ने उनका ब्रेनवॉश किया। फिर बाद में जुनैद ने गिरफ्तार संदिग्ध आतंकवादियों का ब्रेनवॉश किया और उन्हें बेंगलूरु में एक बड़े आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए तैयार किया।

जांच में यह भी पता चला है कि नजीर ने जुनैद को भारतीय सीमा पार कराने में मदद की थी। पुलिस सूत्रों ने कहा कि नजीर को बॉडी वारंट पर हिरासत में लिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों ने कबूल किया है कि उन्हें केंद्रीय जेल में आतंकी हमले करने के लिए नजीर ने प्रशिक्षित किया था। इससे पहले बेंगलूरु में पांच संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बाद, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मास्टरमाइंड मोहम्मद जुनैद अफगानिस्तान से काम कर रहा है और उसके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबंध हैं। सूत्रों ने गुरुवार को ये जानकारी दी। गिरफ्तार पांच संदिग्ध आतंकवादियों ने शहर में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बनाई थी।

आतंकवादी गिरफ्तारी मामला
मास्टरमाइंड अफगानिस्तान में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में पांच संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बाद, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मास्टरमाइंड मोहम्मद जुनैद अफगानिस्तान से काम कर रहा है और उसके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबंध हैं। सूत्रों ने गुरुवार को ये जानकारी दी। गिरफ्तार पांच संदिग्ध आतंकवादियों ने शहर में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बनाई थी। बेंगलूरु के हेब्बल इलाके के सुल्तानपाल्या का भेड़ व्यापारी मास्टरमाइंड मोहम्मद जुनैद लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादियों के सीधे संपर्क में है। जुनैद ने आतंकी नेटवर्क का इस्तेमाल किया और 2021 में भारत में सीमा पार कर दाखिल हुआ। सूत्रों ने बताया कि वर्तमान में, वह अफगान सीमा से ऑपरेट कर रहा है और बेंगलूरु में अपने सहयोगियों को निर्देश भेज रहा है।अधिकारी पहले ही जुनैद के बारे में इंटरपोल को जानकारी दे चुके हैं। जांच से यह भी पता चला है कि बेंगलूरु सीरियल बम विस्फोट मामले में लश्कर आतंकी संदिग्ध नासिर, जो वर्तमान में बेंगलूरु सेंट्रल जेल में बंद है, जुनैद के संपर्क में था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कर्नाटक पुलिस इसे राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने पर विचार कर रही है। जुनैद को नूर अहमद नामक व्यक्ति ने वित्तीय मामलों को लेकर उसके आवास पर उसकी पत्नी के सामने जलील किया और उसके साथ मारपीट की। 30 सितंबर 2017 को जुनैद ने उसका अपहरण कर लिया और उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या के सिलसिले में 21 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि जब जुनैद जेल से बाहर आया तो उसका ब्रेनवॉश किया गया और उसे 'जिहादी' बना दिया गया।

बाद में उसे लाल चंदन के अवैध परिवहन के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, इस मामले में जमानत मिलने के बाद, उसने 2021 में देश छोड़ दिया। बेंगलूरु सेंट्रल सिटी क्राइम ब्रांच उसके बारे में अधिक जानकारी इकट्ठा कर रही है और सूत्रों ने कहा कि यदि गिरफ्तारी नहीं होती, तो यह समूह बेंगलूरु में सबसे घातक हमलों को अंजाम दे सकता था। क्राइम ब्रांच ने बुधवार को सैयद सुहैल खान, मोहम्मद फैजल रब्बानी, मोहम्मद उमर, मुदस्सिर पाशा और जाहिद तबरेज को गिरफ्तार किया था और बड़ी मात्रा में विस्फोटक, हथियार और उपकरण जब्त किए थे।

विधानसौधा परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष विधानसभा में भाजपा के सदस्यों के निलंबन को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए भाजपा और जनता दल एस के सदस्यगण।

भाजपा ने सरकार, स्पीकर के कदम की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया, राज्यपाल से शिकायत
स्पीकर पद का हो रहा दुरुपयोग : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में भाजपा सदस्यों ने दस भाजपा विधायकों को निलंबित करने के अध्यक्ष के कदम की निंदा करते हुए विधानसौधा के पास गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया और जद (एस) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और जेडीएस सदस्यों के साथ राज्यपाल को शिकायत सौंपी।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद बाद मीडिया से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि जब से राज्य में कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है, तब से राज्य में लगातार हत्याएं हो रही हैं, जिसमें जैन भिक्षुओं की हत्या भी शामिल है। सूखा है। साढ़े तीन हजार गांवों में पीने का पानी नहीं है। सदन में चर्चा की इजाजत नहीं दी गई। एक राजनीतिक पार्टी के कार्यक्रम में दूसरे राज्यों के नेताओं के स्वागत के लिए आईएएस अधिकारियों को भेजने पर सवाल उठाने पर हमारी पार्टी के दस सदस्यों को निलंबित कर दिया गया है। इतिहास में इससे बुरा निर्णय कभी नहीं लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस स्पीकर पद का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए कर रही है।

भाजपा और जनता दल एस के विधायकों ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

वर्तमान में अध्यक्ष पद का दुरुपयोग किया जा रहा है। स्पीकर हमें बुलाकर समस्या का समाधान कर सकते थे। पहले भी ऐसे मामले हो चुके हैं। किसी ने भी ऐसा निर्णय नहीं लिया था। ऐसा देखा गया है कि स्पीकरों को राजनीतिक दलों के कार्यक्रमों में शामिल नहीं होना चाहिए। वह कांग्रेस पार्टी की डिनर पार्टी में शामिल हुए हैं और खाना खाया है। हमने अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कहा है क्योंकि हमें उन पर कोई भरोसा नहीं है। यह सरकार अपनी गलतियों पर पर्दा डालने के लिए ऐसा कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर जनता ने उन्हें सशक्त बनाया है तो हमें भी जनता के हक में आवाज उठाने का मौका दिया है। राज्य में आतंकी गतिविधियां चल रही हैं। उसके पास से मिले दस्तावेजों के मुताबिक उसके अंतरराष्ट्रीय संबंध हैं। इसलिए हमने मांग की है कि इस केस को एनआईए को सौंप दिया जाए। हमने यह सारी जानकारी राज्यपाल के ध्यान में ला दी है।' उन्होंने कहा कि वह केंद्र सरकार को रिपोर्ट देंगे। हम सदन का बहिष्कार करते हैं क्योंकि हमारे सदस्य निलंबित हैं। उन्होंने कहा कि वह इस मामले को जिला स्तर तक ले जायेंगे और लड़ेंगे।

भाजपा विधायकों के निलंबन के मुद्दे पर विस अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ने राज्यपाल से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी कादर ने बृहस्पतिवार को सदन के उपाध्यक्ष रुद्रप्पा लमानी और विधानसभा सचिव एम के विशालाक्षी के साथ राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। बताया जाता है कि उन्होंने विधानसभा के इस सत्र की समाप्ति तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 10 विधायकों को निलंबित किये जाने से जुड़ी परिस्थितियों से राज्यपाल को अवगत कराया।

विधानसभा में बुधवार को प्रस्ताव पारित कर 10 विधायकों को निलंबित किया गया जिनमें चार पूर्व मंत्री- आर अशोक, डॉ सी एन अश्वथ नारायण, वी सुनील कुमार और अरागा ज्ञानेंद्र शामिल हैं। भाजपा के सदस्यों को विधेयकों की प्रतियों और कार्यसूची समेत अन्य दस्तावेज फाड़ने और उन्हें आसन की ओर उछाले जाने के बाद अशोभनीय और 'अपमानजनक आचरण' के लिए निलंबित किया गया है। भाजपा और जनता दल (एस) ने विधायकों के निलंबन के खिलाफ बृहस्पतिवार को सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया।

सदन की बैठक गुरुवार सुबह जब शुरू हुई तो विपक्ष की ओर से केवल कल्याण राज्य प्रगति दल के जी जनार्दन रेड्डी उपस्थित थे। भाजपा विधायकों ने इस घटनाक्रम पर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने का फैसला किया है।

झीलों में फ्लोटिंग सोलर पैनल लगाने पर विचार कर रही है सरकार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के लघु सिंचाई मंत्री एन एस बोस राजू ने गुरुवार को कहा कि उनका विभाग बिजली पर निर्भरता कम करने के लिए झीलों में फ्लोटिंग सोलर पैनल लगाने की संभावना तलाश रहा है। उन्होंने कहा कि लघु सिंचाई विभाग के अंतर्गत लगभग 483 लिफ्ट सिंचाई परियोजनाएं आती हैं । राजू ने कहा कि हम प्रति माह 10 करोड़ रुपये से 12 करोड़ रुपये तक बिजली शुल्क का भुगतान कर रहे हैं। ऊर्जा पर निर्भरता कम करने और इस राशि को बचाने के उद्देश्य से, हम सभी झीलों में फ्लोटिंग सोलर पैनल लगाने की संभावना तलाश रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भूजल पुनर्भरण बढ़ाने, तालाबों और झीलों के संरक्षण और उनके अतिक्रमण को रोकने सहित विभाग के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए विचार प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। उन्होंने कहा कि हम कुल 483 लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं का रखरखाव कर रहे हैं। हम बिजली पर निर्भरता कम करने के तरीके और उपाय ढूंढ रहे हैं। उस दिशा में चर्चा हो रही है।

मंत्री ने यह भी कहा कि अतिक्रमण हटाने और जल निकायों के संरक्षण के लिए राज्य की सभी झीलों का सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया है। इस आशय का निर्देश सभी उपायुक्तों को दे दिया गया है।

विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' ईस्ट इंडिया कंपनी का नया स्वरूप है : करंदलाजे

मंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा है कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों के नए गठबंधन 'इंडिया' का गठन 'ईस्ट इंडिया कंपनी' का ही नया स्वरूप है। उन्होंने बुधवार को उडुप्पी में पत्रकारों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि जिन लोगों ने देश को 60

साल तक लूटा, अब वे सत्ता के लिए एकसाथ आ गए हैं। उन्होंने कहा, अब यह इंडिया बनाम 'भारत' है। करंदलाजे ने गठबंधन का उपहास उड़ाते हुए कहा कि बेंगलूरु में विपक्षी दलों की बैठक में जिन सभी नेताओं ने हिस्सा लिया वे प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं। कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री ने कहा कि गठबंधन का नाम 'इंडिया' भारत का राज्य संप्रतीक (अनुचित प्रयोग प्रतिषेध) अधिनियम, 1950 के प्रावधानों का भी उल्लंघन करता है। कर्नाटक में कांग्रेस नीत सरकार के पांच चुनावी वादों पर उन्होंने कहा कि राज्य में परिवहन निगमों को चार महीने में बंद करना होगा क्योंकि शक्ति' योजना के समर्थन के लिए कोई बजटीय आवंटन नहीं किया गया है जिसके तहत सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की पेशकश की गई है।

योगेश मोहन ने बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक का पदभार संभाला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योगेश मोहन ने बुधवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक का पदभार संभाला। वे 1991 बैच के भारतीय रेलवे मैकेनिकल इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसएमई) के अधिकारी हैं। वे स्पेशल क्लास रेलवे अपरेंटिस

योजना से हैं और एएमआईई/मैकेनिकल में स्वर्ण पदक विजेता हैं। बेंगलूरु के मंडल रेल प्रबंधक बनने से पहले, वे पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर में मुख्य कार्यशाला प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे। उनके पास पश्चिम रेलवे, अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) उत्तर मध्य रेलवे और उत्तर पूर्व रेलवे में काम करने का समृद्ध अनुभव है। उन्होंने तीन अलग-अलग लोकोमोटिव शेड और डीजल लोकोमोटिव वर्क्स (डीएलडब्ल्यू) में प्रोडक्शन विंग के प्रमुख के रूप में काम किया है।

उन्होंने यूरोप और अमेरिका में एडवांस्ड व्हीकल डायनेमिक सिमुलेशन, इनसीड सिंगापुर में एडवांस्ड मैनेजमेंट कोर्स और इंटरनेशनल सेंटर फॉर लीडरशिप इन फाइनेंस, मलेशिया में एडवांस्ड मैनेजमेंट कोर्स का प्रशिक्षण लिया है। उन्होंने डीजल लोकोमोटिव वर्क्स से श्रीलंका और मायानगर में लोकोमोटिव निर्यात से संबंधित परियोजनाओं को भी क्रियान्वित किया है।

इन्फोसिस का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़कर 5,945 करोड़ रुपये पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़कर 5,945 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले की समान अवधि में 5,362 करोड़ रुपये था। हालांकि इन्फोसिस ने वृहद आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपने वृद्धि अनुमान को घटाकर एक से 3.5 प्रतिशत कर दिया है। पहले इसने राजस्व वृद्धि में चार से सात प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया था। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की आमदनी 10 प्रतिशत बढ़कर 37,933 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 34,470 करोड़ रुपये थी। जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में बीती तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ तीन प्रतिशत घट गया जबकि राजस्व में तिमाही आधार पर 1.31 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। इन्फोसिस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सलिल पारेख ने बाजार में निर्णय-निर्माण में हो रही देरी का जिक्र करते हुए कहा, पहली तिमाही में हमने कुछ बड़े सौदे किए लेकिन सौदों पर हस्ताक्षर और उन पर अमल होने में देरी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस देरी की वजह से इन बड़े सौदों से मिलने वाला राजस्व वित्त वर्ष के दूसरे हिस्से में ही आ पाएगा। पारेख ने तिमाही नतीजों के बारे में संवाददाताओं से कहा, पहली तिमाही में कुछ खास क्षेत्रों में ग्राहकों ने बदलावकारी परियोजनाओं की संख्या घटाने के साथ निर्णय लेने में भी देर की। हालांकि जनरेटिव एआई (कृत्रिम मेधा) और बड़े सौदों के मामले में हमें अच्छी प्रगति देखने को मिली।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इन्फोसिस ने 2.3 अरब डॉलर के बड़े सौदे किए जिससे भावी वृद्धि के लिए मजबूत आधार तैयार करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा कंपनी को 80 परियोजनाएं कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में मिलीं। इन्फोसिस ने अपने शेयरधारकों को 17.50 रुपये का अंतिम लाभांश देने की भी घोषणा की। इस प्रस्ताव को 28 जून की साधारण आमसभा में मंजूरी दी गई थी। पिछले हफ्ते अन्य आईटी कंपनियों टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, विप्रो और एलटीआईमाइंडट्री ने भी पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा की थी।

मंगलूरु में नशीला पदार्थ युक्त 100 किलोग्राम चॉकलेट जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु में पुलिस ने दो दुकानों से नशीला पदार्थ युक्त 100 किलोग्राम चॉकलेट जब्त की है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि नशीली चॉकलेट को बुधवार को मंगलूरु के कार स्ट्रीट और फलनीर स्थित दुकानों पर छापेमारी के दौरान जब्त की गई। पुलिस के अनुसार ये दुकाने क्रमशः मनोहर सेठ और बेचैन सुनार की है। सुनार उत्तर प्रदेश का निवासी है।

गुप्त सूचना के आधार पर मंगलुरु दक्षिण पुलिस ने अभियान शुरू किया था। नशायुक्त चॉकलेट को 'बांग' चॉकलेट के नाम से बेचा जा रहा था। पुलिस ने कहा कि दोनों दुकान मालिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है और जब्त चॉकलेट को जांच के लिए फॉरेंसिक प्रयोगशाला भेजा गया है।

हमारे लिए महिलाओं की सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार के लिए महिलाओं की सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। गहलोत ने ट्वीट किया,''हमारे लिए महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से बढ़कर कुछ भी नहीं है।'' जोधपुर में दलित युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में राजस्थान पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की तुलना मणिपुर की एक घटना से करते हुए गहलोत ने लिखा,'' जोधपुर में भयानक सामूहिक बलात्कार के बाद तीन आरोपियों को महज दो घंटे में गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन भाजपा को मणिपुर की शर्मनाक घटना में सिर्फ एक आरोपी को पकड़ने में 77 दिन लग गए।''

उन्होंने लिखा ''अपराध पर जवाब देने का समय- कांग्रेस का - दो घंटा, भाजपा का- 77 दिन।'' इससे पहले गहलोत ने मणिपुर में जारी हिंसा पर दुख जताते हुए कहा कि इससे पूरा देश चिंतित है।

गहलोत ने ट्वीट किया ''अत्यंत दुख की बात है कि मणिपुर में हिंसा बंद होने का नाम नहीं ले रही। इससे पूरा देश चिंतित है। भाजपा की लापरवाही की वजह से मणिपुर में अभी तक 142 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।'' उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''मणिपुर को देखकर राजस्थान में लोग पूछ रहे हैं कि भाजपा की सरकारों को कानून व्यवस्था कायम रखना क्यों नहीं आता?''

गहलोत सरकार ने अपने 94 प्रतिशत चुनावी वादे पूरे किए : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बृहस्पतिवार को विपक्षी भाजपा नेताओं पर आरोप लगाया कि वे चुनावी वर्ष में ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि राज्य में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ रहे हैं तथा कांग्रेस सरकार सुशासन देने में सक्षम नहीं है। डोटासरा ने दावा किया कि राज्य की मौजूदा अशोक गहलोत सरकार ने अपने 94 प्रतिशत चुनावी वादे पूरे किये हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा समेत पार्टी नेता कभी नोटबंदी, किसानों की आय दोगुनी करने, तीन कृषि कानून, भ्रष्टाचार खत्म करने के बारे में जवाब नहीं देते।

उन्होंने कहा कि वे (भाजपा) कभी भी अपने वादों के बारे में बात नहीं करते हैं और अनर्गल बयान देकर कांग्रेस और उसकी सरकारों को कोसने में लगे रहते हैं। डोटासरा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा ''विपक्षी भाजपा अब चुनावी वर्ष में एक माहौल बनाने की चेष्टा कर रही है और यह साबित करने का कुप्रयास कर रही है कि राजस्थान में अपराध बढ रहे हैं, भ्रष्टाचार बढ रहा है। राज्य की वर्तमान सरकार अच्छा शासन नहीं दे पा रही है।लेकिन वे अपने

प्रयास में सफल नहीं होंगे।

उन्होंने कहा, मैं भाजपा नेताओं को चुनौती देना चाहता हूं कि वे केंद्र और पिछली राज्य सरकार के चुनाव घोषणापत्र की तुलना करें। भाजपा ने 2014 और 2019 के चुनावी घोषणा पत्र में जो वादे किये थे उनमें से नौ प्रतिशत वादे भी आज तक पूरे नहीं हुए जबकि राज्य की वर्तमान कांग्रेस सरकार ने अपने 94 प्रतिशत वादे पूरे किए हैं।

डोटासरा ने भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई करने में राजस्थान के अव्वल रहने का दावा करते हुए कहा 2019 से 2023 के दौरान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा 1935 भ्रष्ट नौकरशाहों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गईं। उन्होंने कहा कि भाजपा को पेपर लीक की बात नहीं करनी चाहिए क्योंकि यही वह पार्टी है जिसने राज्य में गिरोह को पनपाया। उन्होंने दावा किया कि दूसरी ओर, कांग्रेस सरकार ने राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के एक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया और जल्द ही भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक में शामिल लोगों के लिए आजीवन कारावास का प्रावधान करने वाला कानून लाने जा रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जल जीवन मिशन (जेजेएम) में भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाकर राजस्थान की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं ,अगर भ्रष्टाचार हुआ तो जांच के आदेश क्यों नहीं दिये गये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार को उद्योगों की तरह किसानों का कर्ज भी माफ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सहकारी बैंकों से लिया गया कर्ज माफ कर दिया है।

मणिपुर में हिंसा से पूरा देश चिंतित : गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मणिपुर में जारी हिंसा पर दुख जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इससे पूरा देश चिंतित है। गहलोत ने कहा कि ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लापरवाही की वजह से'' मणिपुर में अभी तक 142 लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, ''अत्यंत दुख की बात है कि मणिपुर में हिंसा बंद होने का नाम नहीं ले रही। इससे पूरा देश चिंतित है। भाजपा की लापरवाही की वजह से मणिपुर में अभी तक 142 लोगों की मौत हो चुकी है।'' उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''मणिपुर को देखकर राजस्थान में लोग पूछ रहे हैं कि भाजपा की सरकारों को कानून व्यवस्था कायम रखना क्यों नहीं आता?'

ड्रोन के जरिए गिराया नशीला पदार्थ बरामद

जयपुर। राजस्थान के गंगानगर जिले में बुधवार देर रात ड्रोन के जरिए भारत-पाक सीमा पार से तस्करी कर लाया जा रहा दो किलो से अधिक संदिग्ध नशीला पदार्थ हेरोइन बरामद किया गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की राजस्थान इकाई की ओर से जारी बयान के अनुसार 19-20 जुलाई की रात को रायसिंह नगर (सेक्टर गंगानगर) में भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बल के जवानों को पाकिस्तान की ओर से ड्रोन आने की आवाज सुनाई दी जिसके बाद उन्होंने फायरिंग कर उसे गिरा दिया।

बयान के अनुसार सुबह इलाके की सघन जांच के दौरान इलाके से तीन पैकेटस संदिग्ध हेरोइन एवं एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया गया।

राजस्थान मृत शरीर का सम्मान विधेयक-2023 ध्वनिमत से पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य विधानसभा में राजस्थान मृत शरीर का सम्मान विधेयक-2023 को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इस विधेयक के पारित होने से अब धरना-प्रदर्शन में शवों के दुरूपयोग पर रोक लग सकेगी। इससे पहले संसदीय कार्यमंत्री शांति कुमार धारीवाल ने विधेयक को सदन में चर्चा के लिए प्रस्तुत किया और जिसमें पक्ष विपक्ष के सदस्यों ने भाग लिया। चर्चा का जवाब देते हुए धारीवाल ने कहा कि राजस्थान मृत शरीर का सम्मान विधेयक -2023 मृत शरीरों की गरिमा को सुनिश्चित करते हुए इनके धरना-प्रदर्शन में किए जाने वाले दुरूपयोग पर प्रभावी रोक लगाएगा। इस विधेयक से लावारिस शवों की डीएनए एवं जेनेटिक प्रोफाइलिंग कर डाटा संरक्षित भी किया जाएगा ताकि भविष्य में उनकी पहचान हो सके। उन्होंने कहा कि मृत शवों को रखकर धरना-प्रदर्शन की प्रवृत्ति दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। वर्ष 2014 से 2018 तक इस तरह की 82 एवं वर्ष 2019 से अब तक 306 घटनाएं हुई हैं। वर्तमान में ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रूप से रोक लगाने के लिए विधिक में प्रावधान नहीं हैं, इसीलिए यह विधेयक लाया गया है। उन्होंने बताया कि परिजन द्वारा मृत व्यक्ति का शव नहीं लेने की स्थिति में विधेयक में एक वर्ष तक की सजा एवं जुर्माने का प्रावधान किया गया है। साथ ही परिजन द्वारा धरना-प्रदर्शन में शव का उपयोग करने पर भी दो वर्ष तक की सजा एवं जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार, परिजन से भिन्न अन्य व्यक्ति द्वारा शव का विरोध के लिए इस्तेमाल करने पर छह माह से पांच वर्ष तक की सजा एवं जुर्माने से दण्डित करने का प्रावधान किया गया है।

धारीवाल ने बताया कि कार्यपालक मजिस्ट्रेट को मृतक का अंतिम संस्कार 24 घंटे में कराने की शक्ति प्रदान की गई है। यह अवधि विशेष परिस्थितियों में बढ़ाई भी जा सकेगी। साथ ही परिजन द्वारा शव का अंतिम संस्कार नहीं करने की स्थिति में लोक प्राधिकारी द्वारा अंतिम संस्कार किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि सिविल रिट पिटीशन आश्रय अधिकार अभियान बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में उच्चतम न्यायालय ने मृत शरीरों के शिष्टतापूर्वक अंतिम संस्कार के निर्देश प्रदान किए थे। इस निर्देशों की पालना में इस विधेयक में लावारिस शवों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार करना और इन शवों की डीएनए प्रोफाइलिंग और डिजिटाइजेशन के माध्यम से आनुवंशिक जेनेटिक डाटा सूचना का संरक्षण और सूचना की गोपनीयता रखने जैसे महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 तक प्रदेश में 3216 लावारिस शव मिले हैं। सदन ने जनमत जानने के लिए विधेयक को परिचालित करने का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया।

तीन साल में किसानों के 409.60 करोड़ रुपये की कर्ज माफ: राजस्थान सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने बीते तीन साल में 59,983 किसानों का 409.60 करोड़ रुपये का ऋण माफ किया है। राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने विधानसभा में बताया कि राज्य सरकार ने पिछले तीन वर्षों में केन्द्रीय सहकारी बैंकों एवं प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों द्वारा दिये गये 409.60 करोड़ रुपये के ऋण को माफ कर 59 हजार 983 किसानों को लाभ पहुंचाया है।

विधायक गोपाल लाल मीना के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि किसानों की ऋण माफी के लिए राज्य सरकार ने सहकारी बैंकों के कर्ज को माफ करने की योजनाएं चलायीं। उन्होंने बताया कि इन ऋण माफी योजनाओं में राजस्थान कृषक ऋण माफी योजना 2019 (अल्पकालीन) एवं राजस्थान कृषक ऋण माफी योजना 2019 (मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन) शामिल हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रीयकृत बैंक भारत सरकार के नियंत्रणाधीन है एवं उनके द्वारा किसानों के ऋण माफ करने का निर्णय भारत सरकार द्वारा ही लिया जा सकता है।

सहकारिता मंत्री ने विगत तीन वर्षों में राज्य में ऋणमाफी योजना से लाभान्वित किसानों की जानकारी देते हुए बताया कि 2020-21 में 325.14 करोड़ रुपये का अल्पकालीन एवं मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन ऋणों को माफ कर कुल 42,866 किसानों को लाभान्वित किया गया। उन्होंने कहा कि इसी तरह 2021-22 में 1083 कृषकों का 49.83 करोड़ रुपये एवं 2022-23 में 7034 कृषकों का 35.63 करोड़ की ऋण माफ किया गया।

मुलाकात

जयपुर में गुरुवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट अपने निवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हुए।

पुलिस ने टोल कर्मियों पर गोलीबारी मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले के श्रीमाधोपुर थाना क्षेत्र के रलावता टोल पर टोलकर्मियों पर गोलीबारी मामले में हरियाणा निवासी पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि रलावता टोल पर कार में सीकर से हरियाणा जा रहे पांच लोगों का टोल नहीं देने पर टोल कर्मियों के साथ विवाद हो गया जिसके बाद कार में सवार एक युवक ने टोलकर्मी ललित पर गोली चलायी और वे फरार हो गए। उन्होंने बताया कि घायल टोलकर्मी ललित को जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटना के तुरंत बाद नाकेबंदी कर कार को नीम का थाना क्षेत्र में रोक कर कार में सवार चार युवक अमन राजपूत (20), सुमित शर्मा (20), रवि जाट (20), सोनू जाट (24) और एक युवती स्नेहा पंजाबी (19) को गिरफ्तार किया है। कुमार ने बताया कि गोली अमन राजपूत ने चलाई थी। गोली चलाने के लिये प्रयुक्त हथियार को बरामद कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि कार सवार पांच लोग जयपुर से खाटू श्याम मंदिर के दर्शन के बाद हरियाणा लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि पांचों आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास), आर्म्स एक्ट सहित विभाग धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जैन मुनि की हत्या के विरोध में अजमेर में जैन समाज ने रखे प्रतिष्ठान बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। कर्नाटक के बेलगावं चिकौड़ी में दिगम्बर जैनाचार्य कामकुमार नंदी महाराज की हत्या से आक्रोशित सकल जैन समाज के राजस्थान बंद आवाह्न के तहत आज अजमेर शहर सहित जिले के अनेक स्थानों पर व्यापारिक बंद रहा। अजमेर में दिगम्बर एवं श्वेतांबर जैन समाज ने संयुक्तरुप से दौलतबाग के सामने छोटे धड़े की जैन नशियांजी से मौन जुलूस निकाला। समाज के सैंकड़ों महिला-पुरूष, बच्चे हाथों में जैनध्वज पताकाएं, मांग सम्बन्धित पट्टिकाएं, बैनर लिए चल रहे थे। मौन जुलूस में जैन समाज के लोग हाथों में कालीपट्टी बांध कर चल रहे थे। जुलूस शहर के विभिन्न बाजारों से होता हुआ नयाबाजार चौपड़ पहुंचा , जहां ..जन आक्रोश सभा.. का आयोजन किया गया।

जन आक्रोश सभा में दिगम्बर जैन मुनि आचार्य विवेक सागर ,मुनि संकल्प सागर , मुनि सद्भाव सागर एवं श्वेतांबर साधुओं ने अपना उदबोधन एवं आशीर्वाद दिया। आचार्य विवेक सागर महाराज ने दिगम्बर मुनि की हत्या को दुखद बताते हुए कहा कि अहिंसक समाज के मुनियों के साथ हिंसा निश्चितरूप से स्तब्ध करने वाली है। सरकार को इसकी उच्चस्तरीय जांच करानी चाहिए। उन्होंने मुनि कामकुमार नंदी महाराज के हत्यारों को सजा दिलाने तथा भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगे, इसके लिये ..राष्ट्रीय जैन आयोग.. गठित किये जाने पर जोर दिया।

जैन समाज की इस सभा में दिगम्बर समाज के अलावा श्वेतांबर समाज के लोग भी उपस्थित रहे ।सभी लोग जैन साधुओं की सुरक्षा को लेकर चिन्तित नजर आये और अन्याय नहीं सहने की बात कही गई।

सभा के बाद अजमेर सकल जैन समाज की ओर से जिलाकलक्टर डा. भारती दीक्षित को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारैम्या , राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें जैन आयोग गठन के साथ जैन मुनि हत्या मामले की जांच सी.बी.आई. से कराने की मांग की है। इधर, अजमेर जिले के किशनगढ़, नसीराबाद, पीसांगन, ब्यावर ,सावर आदि जगहों से भी बंद के समाचार मिले हैं। अजमेर के बंद को शहर भाजपा, विश्व हिन्दू परिषद, राजस्थान प्राइवेट एजुकेशन महासंघ, विप्र सेना, सिंधी समाज तथा विभिन्न व्यापारिक संगठनों का समर्थन है। बंद दिन में 2 बजे तक रखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारैम्या ने जैन मुनि हत्या मामलें की जांच सी.आई.डी.पुलिस से कराने की विधानसभा में घोषणा की है।

बेरोजगारी भत्ते के लिए इंटर्नशिप जरूरी : चांदना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता राज्य मंत्री अशोक चांदना ने बेरोजगारी भत्ते के लिए इंटर्नशिप जरूरी बताते हुए कहा है कि प्रदेश में वर्तमान में एक लाख 70 हजार 765 युवा इंटर्नशिप कर रहे हैं। चांदना ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान इस संबंध में विधायक प्रताप सिंह के पूरक प्रश्नों का जवाब देते हुए गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिना इंटर्नशिप के बेरोजगारी भत्ता शुरु ही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि योजना के तहत डिग्री पूरी कर चुके तथा नौकरी की तैयारी के लिए कोचिंग नहीं करने वाले युवा बेरोजगार की श्रेणी में आते हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 19 लाख 15 हजार पंजीकृत बेरोजगार हैं। जिनमें से 16 लाख शिक्षित बेरोजगारों की श्रेणी में आते हैं। उन्होंने बताया कि कुल 11 लाख 93 हजार शिक्षित बेरोजगारों ने ही बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन किया है।

उन्होंने बताया कि योजना से 6 लाख 80 हजार बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ते से लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि 3 लाख 11 हजार आवेदकों के स्तर पर दस्तावेजों की पूर्ति की जानी शेष है तथा मात्र 22 हजार आवेदन जांच के लिए लंबित हैं। उन्होंने बताया कि अब तक कुल आवेदनों में से केवल 62 हजार 80 आवेदनों को ही कमियों के कारण अस्वीकृत किया गया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संवेदनशीलता के साथ फैसला लेते हुए लाभार्थियों की सीमा को एक लाख से बढ़ाकर दो लाख किया गया है। इससे पहले उन्होंने प्रताप सिंह के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि विभागीय पोर्टल के अनुसार गत 21 फरवरी को प्रदेश में कुल पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या 18 लाख 40 हजार 44 है। जिनमें स्नातक 14 लाख 40 हजार 916 एवं उच्च योग्यताधारी एक लाख एक हजार 956 है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में गत 28 फरवरी का कुल एक लाख 90 हजार 873 पात्र आशार्थियों को नियमानुसार बेरोजगारी भत्ता मिल रहा है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत एक समय में अधिकतम दो लाख आशार्थियों को लाभांवित किये जाने की निर्धारित सीमा के कारण 21 फरवरी तक कुल 37 हजार 235 आवेदन स्वीकृति के लिए लंबित है।

सैनेटरी नैपकिन के सुरक्षित निस्तारण की राज्यस्तरीय नीति के ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिये जाने हेतु कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सेंटर फॉर साइंस एनवायरनमेंट, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान और यूएनएफपीए के सहयोग से गुरुवार को वानिकी प्रशिक्षण संस्थान में सैनेटरी नैपकिन के सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल निस्तारण की राज्यस्तरीय नीति के ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिये जाने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास सचिव श्री जीतेंद्र उपाध्याय ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों द्वारा प्रयुक्त सैनेटरी नैपकिन के सुरक्षित निस्तारण और सुझावों पर विभिन्न तरीकों और स्थितिओ पर चर्चा करना है।इसी क्रम में सैनेटरी नैपकिन के सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल निस्तारण पर बने हुए प्रारूप पर चर्चा कर राज्य स्तरीय नीति बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि आई एम शक्ति उड़ान योजना के तहत सैनेटरी नैपकिन के पर्यावरण अनुकूल निस्तारण करने हेतु कारगर उपाय खोजना एक चुनौती है जिसके समाधान के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग कार्य कर रहा है। आयुक्त महिला अधिकारिता रेणु जयपाल ने बताया कि सेनेटरी नैपकिन के सुरक्षित और वातावरण अनुकूल निस्तारण करने के उपायों पर मंथन करने के लिये विभाग विषेषज्ञों के साथ कार्यशालाओं का आयोजन करता है। उन्होने बताया कि इस कार्यशाला से पूर्व भी कई कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं।

उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देष्य माहवारी स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन परियोजना के तहत सेनेटरी नैपकिन के वितरण और जागरूकता के घटक को मजबूत करना तथा सैनेटरी नैपकिन के सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल निस्तारण की राज्यस्तरीय नीति के ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिये जाना है।

विपक्ष की पार्टियों के एक मंच पर आना शुभ संकेत : गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश में विपक्ष की पार्टियों के एक मंच पर आने पर खुशी जताते हुए कहा है कि यह देश हित के लिए एक शुभ संकेत है। गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि अब विपक्ष की पार्टियों का एक मंच पर आना संभव हुआ जो देशहित के लिए एक शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में लोकतंत्र बचाने एवं संविधान को मजूबत करने के उद्देश्य से बना यह गठबंधन देश के भविष्य की बेहतरी के लिए एक बड़ा कदम साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 3500 किलोमीटर भारत जोड़ो यात्रा से देशवासियों का एक संकल्प सामने आया और एक प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारे का नया माहौल बना। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने चार मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई एवं बढ़ती हिंसा प्रमुखता से उठाए थे।

मणिपुर पर चर्चा को तैयार है सरकार, भाग रहा है विपक्ष : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मणिपुर की जातीय हिंसा के मुद्दे पर संसद के मानसून सत्र का पहला दिन हंगामे की भेंट चढ़ जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा को तैयार है लेकिन नियमों की आड़ लेकर विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। संसद भवन परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा, आज सदन की कार्यवाही और कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में विपक्ष का रवैया देखकर ये स्पष्ट हो जाता है कि वो मन बनाकर आए हैं कि सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे।

पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में हुई हिंसा और कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ व राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं का जिक्र करते गोयल ने दावा किया कि शायद इसी परेशानी की वजह से विपक्षी दल चर्चा से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा, जब सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि वह मणिपुर की घटनाओं पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है, इसके बावजूद कांग्रेस और बाकी विपक्षी दल सदन नहीं चलने दे रहे हैं। मणिपुर पर हम भी बहुत संवेदनशीलता से चर्चा कराना चाहते हैं। सरकार तैयार है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और बाकी विपक्षी दल अपने खोट छुपाने के लिए चर्चा से भाग रहे हैं। इससे पहले मणिपुर में करीब दो महीने से जारी जातीय हिंसा पर संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान देने और उसके बाद चर्चा कराने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को मानसून सत्र के पहले दिन दोनों सदनों में विपक्षी सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया, जिसके कारण लोकसभा की कार्यवाही एक बार और राज्यसभा की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

मणिपुर के हालात बिगड़ गए हैं, चुप्पी कोई विकल्प नहीं है : जोरमथांगा

आइजोल/भाषा। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनकी परेड कराने का वीडियो सामने आने के एक दिन बाद मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऐसा लगता है कि पड़ोसी राज्य में स्थिति बिगड़ गई है और उन्होंने मामले में फौरन कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा, चुप्पी कोई विकल्प नहीं है। जोरमथांगा ने एक बयान में कहा कि वह सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो को देखकर स्तब्ध हैं और इसने उन्हें झकझोर दिया है। उन्होंने ट्वीट किया, मणिपुर में क्रूर हिंसा न केवल पड़ोसी राज्य पर बल्कि पूरे देश पर असर डालती है। ऐसा लगता है कि हालात बिगड़ गए हैं। मैं वाकई में वीडियो देखकर स्तब्ध हूं तथा भीतर तक हिल गया हूं। मिजोरम के मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुर में दो वैफेइ महिलाओं के यौन उत्पीड़न की हैरान करने वाली वीडियो क्रूर, निर्दयी, जघन्य, निंदनीय और पूरी तरह अमानवीय है। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र को मणिपुर की बड़ी समस्या के लिए एक स्थाई समाधान की आवश्यकता है जिसे केवल केंद्र सरकार ही हल कर सकती है। जोरमथांगा ने कहा, मैं फिर कहता हूं – 'कई लोगों की जान चली गई, हर जगह खूनखराबा, शारीरिक यातना है और पीड़ित शरण लेने के लिए इधर उधर भाग रहे हैं। इस बात में कोई शक नहीं है कि वे पीड़ित मेरे मित्र और मेरे परिजन, मेरा अपना खून हैं और क्या केवल हमारे चुप रहकर बैठने से स्थिति शांत हो जाएगी ? मुझे नहीं लगता। उन्होंने कहा, चुप्पी कोई विकल्प नहीं है। मैं फौरन शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने का आह्वान करता हूं। मणिपुर सरकार और केंद्र सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह फौरन शांति बहाल करने के तरीके तलाश करें। अत: मैं मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से तत्काल कार्रवाई करने तथा दोषियों को सजा दिलाने का अनुरोध करता हूं। चार मई का यह वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद से मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि विरोधी पक्ष के कुछ व्यक्ति एक समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमा रहे हैं।

सत्र के दौरान प्रधानमंत्री का सदन के बाहर बयान देना संसद के विशेषाधिकार का उल्लंघन : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि संसद सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर के संदर्भ में सदन के बाहर बयान देकर संसद के विशेषाधिकार और संसदीय परिपाटी का उल्लंघन किया है। उन्होंने यह भी कहा कि वह प्रधानमंत्री से संसद के भीतर बयान देने की मांग करने के लिए नोटिस देना चाहते हैं। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, जब संसद का सत्र चल रहा है तो ऐसे समय बाहर बयान देकर उन्होंने संसद के विशेषाधिकार का उल्लंघन किया और संसदीय परिपाटी के खिलाफ भी काम किया।

इससे पहले, उन्होंने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर नियम 267 के तहत मणिपुर के मामले को उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वह बृहस्पतिवार सुबह से सदन में मणिपुर के विषय पर चर्चा की मांग कर रहे थे, लेकिन पहले से नोटिस देने के बावजूद चर्चा की अनुमति नहीं दी गई। मणिपुर में करीब दो महीने से जारी जातीय हिंसा पर संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान देने और उसके बाद चर्चा कराने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को मानसून सत्र के पहले दिन दोनों सदनों में विपक्षी सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया।

बिरेन सिंह ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है: स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि उन्होंने मणिपुर में कुछ लोगों द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने संबंधी वीडियो को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह से बात की है और उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ईरानी ने इस घटना को निंदनीय और पूरी तरह अमानवीय करार दिया है।

केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया, मणिपुर से आ रहा दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न का भयावह वीडियो निंदनीय और पूरी तरह अमानवीय है। मुख्यमंत्री एन. बिरेन सिंह जी से बात की है जिन्होंने मुझे बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा आश्वस्त किया कि दोषियों को सजा दिलाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

बाद में केंद्रीय मंत्री ने एक अन्य ट्वीट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से अपील की– महिला सुरक्षा, सम्मान और संरक्षा के लिए समर्पण भाव से काम करें। घटना

चाहे राजस्थान की हो, छत्तीसगढ़ की हो या मणिपुर की हो, महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

भाजपा राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे कांग्रेस शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों को उजागर करती रही है।

चार मई का यह वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद से मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि विरोधी पक्ष के कुछ व्यक्ति एक समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमा रहे हैं।

'इंडिजीनियस ट्राइबल लीडर्स फोरम' (आईटीएलएफ) के बृहस्पतिवार को प्रस्तावित मार्च से एक दिन पहले यह वीडियो सामने आया है। पुलिस ने बताया कि थाउबल जिले के नोंगपोक सेकमई पुलिस थाने में अज्ञात सशस्त्र बदमाशों के खिलाफ अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

उसने एक बयान में बताया कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

आईटीएलएफ के एक प्रवक्ता के मुताबिक, घृणित' घटना चार मई को कांगपोकपी जिले में हुई है और वीडियो में दिख रहा है कि पुरुष असहाय महिलाओं के साथ लगातार बदसलूकी कर रहे हैं और वे (महिलाएं) रो रही हैं और उनसे मिन्नतें कर रही हैं।

जिम्मेदारी भरे पदों पर बैठे बेईमान लोगों ने खोखला किया उत्तर प्रदेश का तंत्र : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों पर भ्रष्ट लोगों को जिम्मेदारी भरे पदों पर बैठाकर तंत्र को खोखला करने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सभी अधिकारी राज्य के विकास में सबसे बड़े बाधकों-- भ्रष्टाचार, जातिवाद और भेदभाव पर बड़ा प्रहार करने के लिए तैयार हों।

मुख्यमंत्री ने यहां उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के लिए चयनित 22 अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, उत्तर प्रदेश ऐसा पिछड़ा नहीं था लेकिन पिछली सरकारों ने भ्रष्ट और बेईमान लोगों को विभिन्न पदों पर बैठाया जो प्रदेश को खोखला करने में लगे रहे।

आदित्यनाथ ने भ्रष्टाचार को विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा बताते हुए अधिकारियों से कहा कि इसका मुकाबला करने के लिए वे तैयार रहें। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार, जातिवाद तथा भेदभाव विकास के सबसे बड़े बाधक हैं, सभी अधिकारी इन पर बड़ा प्रहार करने के लिए तैयार हों। सभी अधिकारी सामान्य नागरिक के लिए जितना संवेदनशील बनेंगे, उतना ही उनके भविष्य के लिए अच्छा होगा। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि नियुक्ति की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद तथा भाई–भतीजावाद नहीं किया गया। उनका कहना था कि विगत छह वर्षों में प्रदेश के सभी चयन आयोगों और बोर्डों द्वारा प्रत्येक नियुक्ति प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती गई है। आदित्यनाथ ने कहा कि छह वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट था लेकिन अब यह प्रदेश पहचान के संकट से उबरा है और विकास की प्रक्रिया के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है।

एटीएस ने किया दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत में रहते हुए देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून–व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि हबीबउल्ला मिस्बाह और अहमदउल्ला नामक बांग्लादेशी नागरिकों को आज सहारनपुर जिले के देवबंद इलाके से गिरफ्तार कर लिया। कुमार का कहना है कि इन दोनों ने पूर्व में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा गिरफ्तार किए गए शहादत नामक व्यक्ति की पत्नी शमा परवीन को धन उपलब्ध कराया था। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान मिस्बाह और अहमदउल्ला ने स्वीकार किया कि वे गैरकानूनी तरीके से सीमा पार करके भारत में दाखिल हुए थे और उन्होंने पश्चिम बंगाल में नागरिकता सम्बन्धी फर्जी दस्तावेज बनवाए थे। कुमार ने बताया कि हबीबउल्ला ने इन्हीं जाली कागजात के आधार पर भारत के पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था।

पूर्व विधायक रोशनलाल वर्मा के 'अवैध अतिक्रमण' पर चला बुलडोजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। शाहजहांपुर जिले में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता एवं पूर्व विधायक रोशनलाल वर्मा के कथित अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन ने बृहस्पतिवार को बुलडोजर चलवा दिया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने यहां बताया कि जिले के निगोही क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक रोशनलाल वर्मा की बनवाई 18 दुकानों को अवैध तरीके से अतिक्रमण करके आगे बढ़ा लिया गया था। उन्होंने बताया कि प्रशासन की एक टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर चलवाकर अतिक्रमण को हटवा दिया। अपर जिलाधिकारी संजय कुमार पांडेय ने बताया कि अधिकारियों द्वारा पूर्व विधायक रोशनलाल वर्मा को हाल में एक नोटिस भेजकर परताजपुर में बनी 18 दुकानों के सामने किया गया पक्का अतिक्रमण हटाने को कहा गया था, मगर उन्होंने अतिक्रमण नहीं हटाया। उन्होंने कहा कि इस पर आज मजिस्ट्रेट तथा पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण को हटा दिया गया है।

भाजपा की समिति ने बंगाल हिंसा पर नड्डा को सौंपी रिपोर्ट

ममता पर बंगाल को 'अराजक' बनाने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों के दौरान महिलाओं के खिलाफ हुई कथित हिंसा की जांच के लिए गठित पांच महिला सांसदों की जांच समिति ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा को अपनी रिपोर्ट सौंप दी।

समिति ने अपनी रिपोर्ट में जहां यह आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल को अराजक प्रदेश बना दिया है, वहीं नड्डा ने कहा कि रिपोर्ट राज्य में अराजकता की स्थिति और राजनीतिक विरोधियों के प्रति तृणमूल कांग्रेस की सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है।

राज्यसभा की सदस्य सरोज पांडेय को इस समिति का संयोजक बनाया गया था। सांसद रमा देवी, अपराजिता सारंगी, कविता पाटीदार और संध्या राय को इस समिति का सदस्य बनाया गया था।

समिति के सदस्यों ने मंगलवार को उत्तर 24 परगना के हिंसा प्रभावित देगंगा का दौरा किया था और आगजनी के संबंध में सीधे जानकारी जुटाने के अलावा उन लोगों से मुलाकात की थी जिनके घर जला दिए गए थे।

अगले दिन बुधवार को पांच महिला सांसदों की टीम ने हावड़ा जिले के आमटा का दौरा किया और पंचायत चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की थी।

नड्डा ने एक ट्वीट में कहा, पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान महिलाओं पर की गई हिंसा और अत्याचारों के बारे में जांच के लिए गठित भाजपा की समिति ने रिपोर्ट सौंपी है। यह रिपोर्ट पश्चिम बंगाल में अराजकता की स्थिति और राजनीतिक विरोधियों के प्रति राज्य सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है।

ओडिशा : केंदू पत्ता तोड़ने वालों, इसके कारोबारियों के लिए 56 करोड़ की सहायता का ऐलान

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने केंदू पत्ता तोड़ने वाले और इससे संबंधित व्यापार करने वाले आठ लाख से अधिक लोगों के लिए 56 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बुधवार को जारी की गई विज्ञप्ति के अनुसार, फसल वर्ष 2022 के तीसरे चरण में केंदू पत्ते तोड़ने वाले लगभग 7.75 लाख कामगारों को 25 प्रतिशत बोनस तथा पत्ता बांधने वाले कामगारों और अस्थाई कामगारों को पांच प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

इस विज्ञप्ति में बताया गया कि केंदू पत्ता तोड़ने वाले और इससे संबंधित व्यापार करने वालों को कुल 56.23 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

भारतीय फुटबॉल टीम 2018 के बाद पहली बार फीफा रैंकिंग में शीर्ष 99 में पहुंची

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने गुरुवार को 2018 के बाद पहली बार फीफा रैंकिंग में शीर्ष 99 में प्रवेश किया। टीम सैफ चैम्पियनशिप खिताब की बदौलत एक पायदान के फायदे से 99वें स्थान पर पहुंच गई। भारत ने इस महीने के शुरू में बेंगलुरु में हुई सैफ चैम्पियनशिप में लेबनान और कुवैत पर क्रमश: सेमीफाइनल और फाइनल में पेनल्टी शूटआउट से जीत दर्ज की। लेबनान को भी दो पायदान का फायदा हुआ जिससे वह भारत से बिलकुल नीचे 100वें स्थान पर मौजूद है जबकि कुवैत चार पायदान की छलांग से गुरुवार को जारी ताजा फीफा रैंकिंग में 137वें स्थान पर पहुंच गया।

धनखड़ ने राज्यसभा के उपाध्यक्ष पैनल का पुनर्गठन किया

50 प्रतिशत महिलाओं को मिली जगह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को उच्च सदन के उपाध्यक्षों के पैनल का पुनर्गठन किया। इसमें 50 प्रतिशत महिला सदस्यों को स्थान दिया गया है।

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन धनखड़ ने सदन की कार्यवाही के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने सदस्यों को सूचित किया कि इस पैनल का पुनर्गठन 17 जुलाई से प्रभावी हो गया है।

आठ सदस्यीय उपाध्यक्षों के पैनल में पी टी उषा (मनोनीत), एस. फान्गनॉन कोन्याक (भारतीय जनता पार्टी), फौजिया खान (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी), सुलता देव (बीजू जनता दल), वि. विजयसाई रेड्डी (वाईएसआर कांग्रेस), घनश्याम तिवाड़ी (भाजपा), एल. हनुमंतय्या (कांग्रेस) और सुखेन्दु शेखर राय (तृणमूल कांग्रेस) शामिल हैं।

धनखड़ ने कहा, सदस्यों को यह जानकर खुशी होगी कि इस पैनल में 50 प्रतिशत महिलाएं हैं।

बाद में उपराष्ट्रपति कार्यालय के हवाले से जारी एक ट्वीट में धनखड़ ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि जिन चार महिला सदस्यों को पैनल में शामिल किया गया है, वह सभी पहली बार राज्यसभा की सदस्य बनी हैं।

इससे पहले, राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद सभापति ने सदन के तीन सदस्यों कांग्रेस के राजमणि पटेल तथा भाजपा के लक्ष्मीकांत वाजपेयी और संगीता यादव को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा, मैं अपनी और आपकी (सदस्यों की) ओर से उनके लंबे, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना करता हूं।

धनखड़ ने यह भी कहा कि उन्हें पश्चिम बंगाल से राज्यसभा के सदस्य लुइजिन्हो फलेरियो से 11 अप्रैल, 2023 को अपनी सीट से इस्तीफा देने का पत्र मिला है, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है।

सभापति ने सदन को सूचित किया, मैंने 11 अप्रैल, 2023 से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

कोहली कई खिलाड़ियों के लिए वास्तविक प्रेरणास्रोत : द्रविड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोर्ट ऑफ स्पेन/भाषा। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपना 500वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए तैयार विराट कोहली को अपनी अपार उपलब्धियों और कार्य नीति के कारण कई क्रिकेटरों के लिए प्रेरणास्रोत करार दिया।

कोहली वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में उतर कर भारत की तरफ से 500 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और महेंद्र सिंह धोनी ने यह उपलब्धि हासिल की है। द्रविड़ ने कहा, उनके (कोहली) आंकड़े स्वयं ही सारी कहानी बयां करते हैं। वह सब रिकॉर्ड बुक में दर्ज हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह अपनी टीम के कई खिलाड़ियों तथा भारत के कई लोगों, लड़कों और लड़कियों के लिए वास्तविक प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा, विराट की इस यात्रा को देखना अच्छा लगता है। जब मैं उसके साथ पहली बार खेला तो वह काफी युवा था। उसने जो कुछ हासिल किया और जो उपलब्धियां हासिल कर रहा है, उसे मैंने बहुत प्रेरणा के साथ देखा।

द्रविड़ ने कहा कि कोहली का लंबा करियर और तीनों प्रारूप में उपलब्धियां पर्दे के पीछे के बलिदान और कड़ी मेहनत का परिणाम हैं। उन्होंने कहा, मैं नहीं जानता था कि यह उनका 500वां अंतरराष्ट्रीय मैच है। मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि मैं उनके पर्दे के पीछे के प्रयासों और कड़ी मेहनत को देखता हूं जिसे कोई नहीं देख रहा होता है। एक कोच के लिए यह अच्छी बात है क्योंकि कई युवा खिलाड़ी उसे देखते हैं और प्रेरणा लेते हैं।

भगवान राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए होटलों में कमरा बुक कराने के लिए मची होड़

अयोध्या (उप्र)/भाषा। राम जन्मभूमि पर भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तारीख नजदीक आने के साथ, यहां होटलों में ट्रैवल एजेंटों और भक्तों के बीच कमरे बुक करने की होड़ देखी जा रही है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्याय ने संकेत दिया है कि यह समारोह 15 जनवरी और 24 जनवरी के बीच आयोजित किया जा सकता है, तबतक इस मंदिर के भूतल का निर्माण पूरा हो जाएगा।

यहां होटल मालिकों एवं रिसॉर्ट मालिकों को इस समारोह का साक्षी बनने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की आस है। उनमें से कई दावा कर रहे हैं कि श्रद्धालु एवं अन्य संबंधित लोग लोग 10 से 12 दिनों के लिए कमरे बुक करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे आखिरी समय में इस समारोह का दर्शन करने से चूक न जाए।

इस समारोह में संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए, बुधवार को अयोध्या मंडल के आयुक्त गौरव दयाल ने तैयारी के सिलसिल में अयोध्या के होटल मालिकों की एक बैठक भी बुलाई और उन्हें समारोह के दौरान अपने मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए अपने होटलों को सजाने का निर्देश दिया।

अयोध्या के सबसे पुराने होटल शान ए अवध के प्रबंध निदेशक शरद कपूर ने बताया, हमें नियमित रूप से दिल्ली, मुंबई और अन्य मेट्रो शहरों से ऐसे लोगों के फोन आ रहे हैं जो पूरे एक पखवाड़े के लिए हमारे कमरे बुक करना चाहते हैं। कपूर ने कहा, हम भक्तों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं, लेकिन मैं कम से कम 40 प्रतिशत कमरे अलग रख रहा हूं क्योंकि पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ठहरने के लिए मेरे होटल को पसंद करेंगे। हम उस समय से प्रशासन के साथ सहयोग कर रहे हैं जब राम जन्मभूमि आंदोलन शुरू हुआ था।

पीटीआई –भाषा से बात करते हुए, अयोध्या में एक रिसॉर्ट के मालिक संग्राम सिंह ने कहा, हमारे पास मुंबई स्थित एक ट्रैवल एजेंसी से एक सवाल था कि वह एक सप्ताह के लिए अयोध्या में 1,500 कमरे चाहते हैं, लेकिन समस्या यह है कि समारोह की सही तारीख अभी तक स्पष्ट नहीं है। मंडलायुक्त गौरव दयाल ने बुधवार को 'पेइंग गेस्ट' योजना के तहत 41 भवन स्वामियों को पंजीकरण प्रमाणपत्र भी वितरित किए। उन्होंने सभी भवन स्वामियों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण के साथ ही अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में बढ़ जाएगी, जिसमें से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रात्रि प्रवास भी करेंगे।

सुविचार

हमे अपनी ज़िन्दगी जीतना सीखना चाहिये, क्योंकि हम एक दिन मौत से तो हार ही जायेगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दाने-दाने का महत्व

भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने खाने के सामान की बर्बादी रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर कार्यक्रम चलाने की वकालत कर प्रासंगिक मुद्दा उठाया है। आज इस ओर ध्यान देने की सख्त जरूरत है। अमिताभ कांत ने उचित ही कहा है कि 'समय की मांग न केवल तात्कालिक संकट व अल्पकालिक उपायों पर ध्यान केंद्रित करने की है, बल्कि सभी देशों के लिए लंबी अवधि में अपनी खाद्य प्रणालियों को और अधिक मजबूत बनाने की भी है। खाद्य असुरक्षा को कम करने के लिए खाद्य सामग्री की बर्बादी रोकने के वास्ते कार्यक्रमों को लागू करना भी महत्त्वपूर्ण है। दुनिया में भोजन की बहुत अधिक बर्बादी हो रही है।' आज दुनिया में अमीरों के सामने समस्या है कि वे 'क्या-क्या' खाएं, जबकि ग़रीब इस उलझन से नहीं निकल पाता कि वह 'क्या' खाए। 'क्या-क्या' और 'क्या' का यह फर्क बहुत मायने रखता है। कोरोना महामारी के कारण कई परिवारों को गंभीर आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। आज भी दुनिया में कई परिवार ऐसे हैं, जो दो वक्त की रोटी का इंतजाम करने में ही पूरी ताकत झोंक रहे हैं। दूसरी ओर, कई जगह खाने को बेदर्दी से बर्बाद किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट हैरान करने वाली है। उसके अनुसार, दुनिया में हर साल करीब 93 करोड़ टन खाना बर्बाद हो रहा है। वहीं, दुनिया में 69 करोड़ लोग ऐसे हैं, जो हर रात भूखे सो जाते हैं। अगर यह सिलसिला इसी तरह चलता रहा तो साल 2030 तक ऐसे लोगों की संख्या 84 करोड़ से ज़्यादा हो सकती है। यह भी माना जा रहा है कि तब तक खाने की बर्बादी का यह आंकड़ा दुगुना हो सकता है! यही नहीं, संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में खाने की बर्बादी बड़े स्तर पर जारी है। यहां बर्बाद होने वाले खाने का 40 प्रतिशत हिस्सा शादियों, घरों में लापरवाही, खराब आपूर्ति और अव्यवस्थाओं से आ रहा है।

यह भी चिंताजनक है कि यूएनईपी की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में सबसे ज्यादा खाने की बर्बादी करने के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। जिस देश में अन्न को देवता कहा जाता है, वहां हर साल 90 हज़ार करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत का खाना बर्बाद कर दिया जाता है, जो करीब 6.8 करोड़ टन है। बड़े शहरों, खासतौर से मुंबई में हर दिन समुद्री कचरे में फेंकी जाने वाली खाद्य सामग्री इतनी है कि अगर उसका सदुपयोग हो तो उससे हजारों लोगों का पेट भर सकता है। प्राय: सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर भी खाने को खूब बर्बाद किया जाता है। ब्याह-शादी जैसे कार्यक्रमों में कई लोग थालियों में काफी जूठन छोड़ देते हैं। वे इस बात का ख़याल नहीं करते कि उस परिवार ने एक-एक थाली का इंतजाम करने के लिए कितने वर्षों की कमाई खर्च कर दी होगी! कई परिवार तो ऐसे होते हैं, जो यह सब करते-करते कर्ज में डूब जाते हैं और फिर वर्षों उसे चुकाते रहते हैं। प्राय: ऐसी जूठन या तो फेंक दी जाती है या आवारा पशुओं के आगे डाल दी जाती है। इससे बेहतर तो यह है कि जितनी भूख है, थाली में उतना ही लें। बच्चों में भी यह आदत विकसित करनी चाहिए, ताकि वे अन्न के हर दाने का महत्त्व समझें। एक ओर जहां दुनिया में इतनी बड़ी आबादी गरीब है, भूखी सोने को मजबूर है, उसके दैनिक खर्चे पूरे नहीं हो रहे हैं, रोज़गार नहीं मिल रहा है। दूसरी ओर कई लोग अविवेकपूर्ण ढंग से खाने को बर्बाद कर रहे हैं! यह तो अमानवीय है। किसी की आर्थिक स्थिति जैसी भी हो, सबको अन्न का महत्त्व समझना चाहिए। सबको यह बोध होना चाहिए कि प्रकृति का जो वरदान भोजन के रूप में थाली में आया है, वह पेट भरने के लिए है, जीवन की रक्षा करने के लिए है। इसे यहां तक पहुंचाने के लिए कई लोगों ने मेहनत की है। इसे बर्बाद करना उनकी मेहनत का अपमान करने के बराबर है।

ट्वीटर टॉक

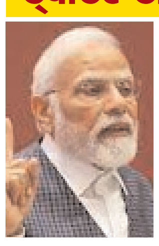

मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि किसी भी गुनाहगार को बख्शा नहीं जाएगा। कानून अपनी पूरी शक्ति से एक के बाद एक कदम उठाएगा। मणिपुर की इन बेटियों के साथ जो हुआ है, इसको कभी माफ नहीं किया जा सकता।

-नरेन्द्र मोदी

मणिपुर में महिलाओं के साथ यौन हिंसा की घटना वीभत्स व भयावह हैं। महिलाओं के साथ हुई बर्बरता की जितनी निंदा की जाए कम है। करीब 3 महीने से मणिपुर हिंसा में जल रहा है, स्थिति नियंत्रण के बाहर है और सरकार नाकाम। बावजूद इसके प्रधानमंत्री जी आंख बंद करके बैठें हैं।

-गोविंद सिंह डोटासरा

लोक सभा में सभी दलों के नेताओं और माननीय सदस्यों से आग्रह है कि देशहित तथा जनहित के विषयों पर सदन में सार्थक संवाद हो। चर्चा के जरिए आमजन की कठिनाइयों का समाधान कर हम देश को प्रगति पथ पर गतिमान करें। जनमानस की भी हमसे यही अपेक्षा है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

तर्कशीलता का साहस

बात उन दिनों की है, जब सारा यूरोप पोप की शक्ति के आगे नतमस्तक था। यूरोप के शक्तिशाली नरेश भी उसकी अजेय शक्ति से कांपते थे। इधर मार्टिन लूथर किंग अपनी शिक्षा का प्रचार-प्रसार निर्भीकता से कर रहे थे। उनकी सुधारवादी विचारधारा से खिन्न होकर पोप ने मार्टिन को एक आदेश भेजा। उनका आदेश अनुल्लंघनीय था, परंतु मार्टिन ने यह आदेश पत्र उसके सेवक के सामने ही फाड़कर जला दिया। जब यह बात पोप को मालूम हुई तो एक चेतावनी भरा पत्र मार्टिन को भेजा, जिसमें लिखा था कि यदि तुम अपनी हरकतों से बाज नहीं आये, तो तुम्हारा सिर कलम कर दिया जाएगा। मार्टिन ने निर्भीकतापूर्वक उत्तर दिया, 'खेद है कि मेरे एक ही सिर है यदि हजार सिर होते तो वे सब इस धर्म यज्ञ में बलि चढ़ाये जाते तो मैं अपने आपको धन्य मानता।

सामयिक

मानसून सत्र व्यर्थ नहीं, अर्थपूर्ण ढंग से चले

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

मानसून सत्र दोनों सदनों में सुचारुरूप से चले इसके लिये सर्वदलीय बैठक में सहमति भले ही बनी हो, लेकिन अब तक के अनुभव के अनुसार यह सत्र भी हंगामेदार ही होना तय है। भारतीय जनता पार्टी को कड़ी टक्कर देने के लिए विपक्ष ने 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया)' नाम के नए गठबंधन की घोषणा कर दी है। नए गठबंधन के नेता संसद के मानसून सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी में लगे हैं। मानो विपक्षी दलों ने प्रण कर लिया है कि वह इस सत्र को भी सुगम तरीके से नहीं चलने देगा। मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरु होने जा रहा है और यह 11 अगस्त को खत्म होगा। इस दौरान संसद के दोनों सदनों की कुल 17 बैठकें रखी गई हैं। एक ओर जहां सत्ता पक्ष अहम विधेयकों को पारित करने की कोशिश में है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, महंगाई, यूनिफॉर्म सिविल कोड और अडाणी मामले पर जेपीसी गठित करने की मांग करने में लगा हुआ है। कई और मुद्दों को लेकर भी वह सरकार को घेरने की फिराक में हैं। ऐसे में, विपक्ष की भूमिका देश व सरकार के प्रति अपने कर्तव्य और दायित्व के सही एवं सकारात्मक निर्वहन की होनी अपेक्षित है।

हम पिछले कुछ वर्षों से देख रहे हैं कि किस प्रकार संसद के सत्र छोटे पर छोटे होते जा रहे हैं और साल में संसद बामुश्किल 55 या 56 दिन के लिए ही बैठती है और उसमें भी सार्थक चर्चा होने के स्थान पर सत्ता व विपक्षी खेमों के बीच एक-दूसरे के ऊपर आरोप-प्रत्यारोपों की बौछार होती रहती है और भारी शोर-शराबा मचता रहता है या बैठकें बार-बार स्थगित होती रहती हैं। विपक्ष का आक्रामक रूख और हंगामा उचित नहीं है। उसे अपनी छवि सुधारनी चाहिए। हर बार की तरह इस बार भी संसदीय अवरोध का कायम रहता है तो इससे लोकतंत्र कमजोर ही होगा। लोकतंत्र में संसदीय अवरोध जैसे उपाय किसी भी समस्या का समाधान नहीं कर सकते। इस मौलिक सत्य व सिद्धांत की जानकारी से आज का पक्ष एवं विपक्षी नेतृत्व अगर अनभिज्ञ रहता है, तो यह अब तक की हमारी लोकतांत्रिक यात्रा की कमी को ही दर्शाता है। यह स्थिति देश के लिये नुकसानदायी है, इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति की काली छाया से मानसून सत्र को बचाना प्राथमिकता होनी चाहिए।

भारत पूरी दुनिया में संसदीय प्रणाली का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और इसके बावजूद इसकी संसद की हालत ऐसी हो गई है कि 17वीं लोकसभा का कार्यकाल पूरा होने में अब केवल मुश्किल से नौ महीने ही बचे हैं। इस अवधि में विपक्ष प्रभावी भूमिका में सामने आये, यह जरूरी है। वैसे भी संसद पर पहला अधिकार विपक्ष का होता है क्योंकि वह अल्पमत में होता है मगर उसी जनता का प्रतिनिधित्व करता है जिसका प्रतिनिधित्व बहुमत का सत्ताधारी दल करता है। अतः विपक्ष द्वारा उठाये गये मुद्दों और विषयों पर विशद चर्चा कराना सत्ताधारी दल का नैतिक कर्त्तव्य बन जाता है। मगर हम तो देखते आ रहे हैं कि पिछले सत्र में जिस प्रकार एक के बाद एक विधेयक बिना चर्चा के ही संसद के दोनों सदनों के भीतर भारी शोर-शराबे के बीच पारित होते रहे यहां तक कि चालू वित्त वर्ष के बजट को भी बिना किसी चर्चा के ही ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। ये लोकतांत्रिक प्रक्रिया को धुंधलाने के उपक्रम है।

मानसून सत्र के दौरान सरकारी कार्यों की संभावित सूची में 31 नये विधेयकों को पेश या पारित करने के लिए शामिल किया गया है। इसमें दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023 को भी जोड़ा गया है। यह विधेयक संबंधित अध्यादेश का स्थान लेने के लिए रखा जाएगा।

आम आदमी पार्टी इस मामले को लेकर सरकार पर निशाना लगा रही है। हम भयंकर गलती कर रहे हैं क्योंकि हम उसी संसद को अप्रासंगिक बनाने का प्रयास कर रहे हैं जिसके साये में इस देश का पूरी शासन-व्यवस्था चलती है और जिसमें बैठे हुए आम जनता के प्रतिनिधि आम लोगों से ताकत लेकर उसे चलाने की जिम्मेदारी उठाते हैं और इस मुल्क के हर तबके के लोगों का जीवन स्तर सुधारने के लिए नीतियां बनाते हैं। भारतीय संविधान के तहत संसद को सार्वभौम इस तरह माना गया है कि इसे नये कानून बनाने का भी अधिकार है, बशर्ते वे कानून संविधान की कसौटी एवं जन-अपेक्षाओं पर खरे उतरते हो। इन कानूनों को पारित करने में सत्ता पक्ष से ज्यादा विपक्ष की भूमिका है, मगर हमने पिछले सत्र में देखा कि विपक्षी सांसदों ने संसद का बहिष्कार करके या उसका अवरोध करके उसको नहीं चलने दिया और पूरा सत्र व्यर्थ ही चला गया।

संसद में हम अगर सार्थक बहस या रचनात्मक चर्चा को ही टालने का प्रयास करेंगे तो आम जनता में जनप्रतिनिधियों के बारे में जो सन्देश जायेगा वह संसद की गरिमा के हक में नहीं होगा क्योंकि हर पांच साल बाद तो हर पार्टी का प्रत्याशी जनता से बड़े-बड़े वादे करके ही वोट यह कह कर पाता है कि वह लोकसभा में पहुंच कर आम जनता का दुख-दर्द व उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा करेगा और राष्ट्र की नीतियों के निर्माण में अपना योगदान देगा। लेकिन हर सांसद को यह योगदान देने के लिये तत्पर होना चाहिए एवं उनके दलों को भी यह भूमिका निभानी चाहिए। संसदीय अवरोध कोई लोकतांत्रिक तरीका नहीं है, उससे हम प्रतिपल देश की अमूल्य धन-सम्पदा एवं समय-सम्पदा को खोते हैं। जिनकी भरपाई मुश्किल है। इसके साथ ही राजनीतिक मूल्य, भाईचारा, सद्भाव, लोकतंत्र के प्रति निष्ठा, विश्वास, करुणा यानि कि जीवन मूल्य भी खो रहे हैं।

विपक्ष हंगामे पर उतारू न होकर सार्थक चर्चा करे, उसके विरोध के स्वरों में देशहित होना चाहिए, स्वहित है। पक्ष एवं विपक्ष दोनों को ही ध्यान रखना चाहिए कि हमारे लोकतन्त्र में संसद के सत्र कोई समारोह नहीं हैं बल्कि हमारी देश-निर्माण की प्रशासनिक व्यवस्था की अन्तरंग प्रणाली हैं क्योंकि संसद केवल वाद-विवाद का प्रतियोगिता स्थल नहीं होती बल्कि लोकहित व राष्ट्रहित में फैसला करने का सबसे ऊंचा मंच होती है। एक प्रश्न है कि यदि संसद ने केवल बिना बहस कराये ही भारी शोर-शराबे के बीच ध्वनिमत से ही विधेयक पारित कराने हैं तो संसद की क्या प्रासंगिकता रहेगी?

नजरिया

सर्वधर्म समभाव लोकतंत्र की बुनियादी ताकत

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415.

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण संवेदनशील एवं शाश्वत सिद्धांत है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व है। जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित है। धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव है। इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है। इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग हैश्र भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना भी है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैं। धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है।

भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है। इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है। प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई है। भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान है। भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करें। भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती है। धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता है। भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता है। हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों, मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करें।

आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास था। स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था, और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति को समानता स्वतंत्रता व न्याय जैसे मानव अधिकार प्राप्त हैं। इन अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता को माना गया है, इसके अभाव में राज्य में समानता व धर्म निरपेक्षता की स्थापना नहीं की जा सकती है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता विविधता में एकता ही रही है, विविधता में एकता का मूल मंत्र ही धर्मनिरपेक्षता का है।

चिंतन

आतंकवाद के लिए हथियार बनते ऑनलाइन प्लेटफॉर्म

डॉ सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 466526148

कट्टरवाद द्वारा कोई व्यक्ति या समूह राजनीतिक, सामाजिक या धार्मिक यथास्थिति के विरोध में तेजी से कट्टरपंथी विचारों को अपनाता है। यह तब होता है जब कोई चरमपंथी विचारों पर विश्वास करना या उनका समर्थन करना शुरू कर देता है और फिर चरमपंथी समूहों या कृत्यों में भाग लेता है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म चरमपंथी समूहों के लिए अपनी विचारधारा फैलाने, व्यक्तियों की भर्ती करने और आतंकवादी कृत्यों की योजना बनाने के लिए शक्तिशाली उपकरण बन गए हैं। इसलिए, खुफिया और आतंकवाद विरोधी एजेंसियों को लगातार बदलते डिजिटल परिदृश्य के साथ तालमेल बिठाना चाहिए और अपनी कार्यप्रणाली को उसके अनुसार ढालना चाहिए। इसके लिए कमियों और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए उनकी मौजूदा रणनीतियों का नियमित मूल्यांकन आवश्यक है।

हाल ही में, भारत में उदयपुर जैसे विभिन्न शहरों के कुछ कट्टरपंथी युवाओं द्वारा चरमपंथी कृत्यों की एक श्रृंखला देखी गई, जो बाद में सर तन से जुदा नारेबाज़ी और संबंधित विवाद तक बढ़ गई। पिछले साल भी, एनआईए ने एक संदिग्ध आईएसआई मॉड्यूल में कई गिरफ्तारियां की थीं, जो भारतीय युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भारत में चरमपंथी कृत्यों को अंजाम देने में भूमिका निभा रहा था। उपरोक्त घटनाएँ भारतीय युवाओं के कट्टरपंथ के मुद्दे को उजागर करती हैं जो भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती पैदा कर सकता है। टेलीग्राम पर एक्यूआईएस, लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी समूहों के लिए भर्ती करने के प्रचार की जानकारी एनआईए ने पकड़ी है। दाएश ट्विटर, यूट्यूब आदि जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग करके अपना प्रचार प्रसार करने के लिए इंटरनेट का उपयोग कर रहा है। 'साइबर-योजनाकारों' के माध्यम से, जो आतंकी हमलों की योजना बनाने, भर्ती करने वालों की पहचान करने, वर्चुअल कोच के रूप में कार्य करने और पूरी प्रक्रिया में मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

अन्य देशों से भर्ती में भारत को भी इसका नुकसान उठाना पड़ा है, हालांकि कम गंभीरता से। कई क्षेत्रों में युवाओं को सोशल मीडिया से प्रभावित करके नफरत और हिंसा का प्रचार करने के मामले बढ़ रहे हैं। भारत के संवेदनशील और उत्तेजक मुद्दों पर झूठे प्रचार और कपटपूर्ण विचारधाराओं को फैलाकर, छेड़छाड़ किए गए वीडियो या अन्याय के सबूत के झूठे दावे आदि का इस्तेमाल किया जा रहा है। इंटरनेट पर हेरफेर करना आसान है और विशेषकर उत्तर-पूर्व, कश्मीर के अधिक युवा इसका शिकार बन रहे हैं। एनआईए ने 2014 में पाकिस्तान स्थित तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) द्वारा 300 से अधिक भारतीय युवाओं की भर्ती की सूचना दी थी, जिन्होंने आईएसआईएस से हाथ मिलाया था। आईएसआईएस ने हिंदी, उर्दू, तमिल और भारत में बोली जाने वाली अन्य भाषाओं में भर्ती सामग्री प्रकाशित की है।

मुद्दे की गहरी समझ और बेहतर समाधान विकसित करने के लिए भारत के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित कट्टरपंथ के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना। इन कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त धनराशि सुनिश्चित करना, खुफिया बलों की क्षमता का विकास करना और कट्टरपंथ, विशेषकर आभासी कट्टरपंथ से निपटने के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करना। राज्य पुलिस की क्षमता का विकास, क्योंकि वे रक्षा की पहली पंक्ति हैं। बढ़ते कट्टरपंथ का बेहतर ढंग से मुकाबला करने के लिए राज्य पुलिस बलों को केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ अच्छे सहयोग से काम करने की जरूरत है। भेदभाव के बिना सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का कवरेज, समुदायों के लिए विशेष योजनाएं और क्षेत्र, मिश्रित संस्कृति को बढ़ावा देना और विभिन्न समुदायों के बीच सह-अस्तित्व और अल्पसंख्यकों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपाय, कुछ ऐसे कदम हैं जो सरकार लोगों को कट्टरपंथ से दूर रखने के लिए उठा रही है। डी-रेडिकलाइजेशन कार्यक्रम शुरू करना जो कट्टरपंथ की अधिक तीव्रता वाले राज्यों पर ध्यान केंद्रित करता है और पुलिस हिरासत के तहत कट्टरपंथी युवाओं के लिए परामर्श और पुनर्वास केंद्रों का विकास भी करता है। न केवल कट्टरपंथी युवाओं के पुनर्वास की प्रक्रिया में बल्कि युवाओं को कट्टरपंथी विचारधाराओं की ओर बढ़ने से रोकने में भी परिवार और धार्मिक नेताओं की भागीदारी बढ़ाएँ। लोगों को चरमपंथियों के जाल में फंसने से रोकने के लिए स्कूल और कॉलेज की शिक्षा या सुरक्षा एजेंसियों के सोशल मीडिया खातों के माध्यम से इन खतरों के बारे में समाज में जागरूकता बढ़ाना। कट्टरपंथ का मुकाबला करने के लिए एक समन्वित दक्षिण एशियाई प्रयास भी इस क्षेत्र के लिए काफी मददगार हो सकता है क्योंकि क्षेत्र के सभी देश कट्टरवाद की गर्मी का सामना कर रहे हैं। ऑनलाइन भर्ती और कट्टरपंथ के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में खुफिया और आतंकवाद विरोधी एजेंसियों को लचीला, अनुकूली और सक्रिय होने की आवश्यकता है। अपनी रणनीतियों की लगातार समीक्षा करके, उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर और नवीनतम रुझानों के बारे में सूचित रहकर, ये एजेंसियां भारत में ऑनलाइन कट्टरपंथ से उत्पन्न खतरों को प्रभावी ढंग से कम कर सकती हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत दुनिया की एक 'बड़ी ताकत' बनने की ओर, पश्चिमी देश सोच-समझकर लगा रहे हैं दांव

नयी दिल्ली/भाषा

भारतीय अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से दुनिया में 'तेजी से एक बड़ी ताकत' बनने की ओर अग्रसर है और 2050 तक इसका आकार अमेरिका के बराबर होगा। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और टिप्पणीकार मार्टिन वुल्फ ने यह बात कही है।

वुल्फ ने इसके साथ ही कहा कि पश्चिमी देशों के नेता सोच-विचार कर भारत पर दांव लगा रहे हैं। वुल्फ ने 'द फाइनेंशियल टाइम्स' में लिखे लेख में कहा, ''मैं मानता हूं कि भारत 2050 तक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को पांच प्रतिशत या इसके आसपास बनाए रख सकता है। बेहतर नीतियों से वृद्धि इससे ऊंची भी रह सकती है। हालांकि, यह इससे कुछ कम भी रह सकती है।''

उन्होंने कहा कि भारत 'चीन प्लस वन' रणनीति को अपनाने वाली कंपनियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य है। बड़े घरेलू बाजार की वजह से इस मामले में अन्य प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में भारत लाभ की स्थिति में है।

भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। क्रय शक्ति के मामले में यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2050 तक देश की जनसंख्या 1.67 अरब पर पहुंच जाएगी। अभी भारत की आबादी 1.43 अरब है।

वुल्फ ने कहा कि देश के बैंकों का बही-खाता बेहतर हो गया है। ऋण वृद्धि भी अब बेहतर आकार ले रही है। उन्होंने लिखा कि आगामी दशकों में देश की अर्थव्यवस्था और आबादी दोनों तेजी से बढ़ेगी। इससे भारत, चीन को टक्कर देगा। भारत के पश्चिमी देशों के साथ भी अच्छे संबंध हैं, जो एक अच्छी बात है।

वुल्फ ने कहा, '' अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कभी प्रतिबंधित रहे नरेन्द्र मोदी का वॉशिंगटन में गर्मजोशी से स्वागत किया। पेरिस में इमैनुएल मैक्रों ने भी भारतीय नेता को उतनी ही गर्मजोशी से गले लगाया। यह एक ऐसे देश के साथ नजदीकी संबंधों को दर्शाता है, जो चीन के लिए शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी साबित हो सकता है। ''

उन्होंने कहा, ''क्या यह पश्चिमी ताकतों का अच्छा दांव है? हां, निश्चित रूप से भारत तेजी से बढ़ती ताकत है। उनके हितों में भी सामंजस्य है।'' उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2023 से 2028 तक वार्षिक आर्थिक वृद्धि छह प्रतिशत से कुछ अधिक रहने का अनुमान लगाया है, जिसमें प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद इससे लगभग एक प्रतिशत अंक कम की रफ्तार से बढ़ेगा।

वुल्फ ने कहा कि यदि वैश्विक या घरेलू स्तर पर कोई बड़े झटके नहीं लगते हैं, तो यह वृद्धि पिछले तीन दशक के औसत के बराबर होगी।

उन्होंने कहा कि भारत एक युवा देश है, जिसके श्रमबल की गुणवत्ता में सुधार की संभावना है, बचत की दर काफी ऊंची है और अधिक समृद्धि की व्यापक उम्मीदें हैं।

वुल्फ ने कहा कि 2050 तक भारत का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (क्रय शक्ति के आधार पर) उसी स्तर पर होगा, जहां आज चीन है। वुल्फ ने यह अनुमान भारत की वार्षिक वृद्धि पांच प्रतिशत तथा अमेरिका की 1.4 प्रतिशत रहने के आधार पर लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत की आबादी भी अमेरिकी की तुलना में 4.4 गुना होगी।

उन्होंने कहा कि ऐसे में यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 2050 तक अमेरिका के समान होगा। ऐसे में पश्चिमी नेता समझदारी से भारत पर दांव लगा रहे हैं।

इससे पहले भारत की यात्रा पर आए विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने बुधवार को कहा था कि घरेलू खपत की वजह से वैश्विक सुस्ती के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है। इसकी वजह यह है कि भारत का जीडीपी काफी हद तक स्थानीय मांग पर निर्भर है।

बरसात

हैदराबाद के नामपल्ली में गुरुवार को भारी बारिश के बाद सड़क पर पानी भर जाने के बाद ट्रैफिक पुलिस वाहनों के आवागमन सुचारु करते हुए।

'यह चांडी कौन हैं?' पूछकर मुसीबत में फंसे मलयालम अभिनेता

कोच्चि/भाषा

पुरस्कार विजेता मलयालम अभिनेता विनायकन केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी के खिलाफ अपनी अप्रिय टिप्पणी के कारण मुसीबत में पड़ गए हैं। चांडी का दो दिन पहले निधन हो गया था।

कांग्रेस के एक कार्यकर्ता ने दिवंगत राज नेता पर अभिनेता की टिप्पणी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

बुधवार को व्यापक रूप से प्रसारित फेसबुक वीडियो में अभिनेता ने पूछा, यह ओमान चांडी कौन हैं? और उनके निधन पर राज्य में तीन दिन का शोक क्यों घोषित किया गया है।

'कम्मत्ती पदम' फिल्म के अभिनेता ने कोट्टायम जिले में अपने पैतृक गांव पुथुपल्ली में उनके पार्थिव शरीर को ले जाने वाले जुलूस को दी गई व्यापक कवरेज के लिए मीडिया की भी आलोचना की।

सोशल मीडिया पर आक्रोश और विभिन्न हलकों से व्यापक आलोचना के बाद, विनायकन ने बाद में अपने फेसबुक अकाउंट से वीडियो वापस ले लिया।

चांडी के खिलाफ उनकी अरुचिकर टिप्पणी की निंदा करते हुए कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को अभिनेता के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और कार्रवाई की मांग की।

यहां एक पार्टी कार्यकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विनायकन ने सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस के दिग्गज नेता का अपमान किया और उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।

यहां एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि वे इसकी जांच कर रहे हैं और जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमें शिकायत मिली है। अभी मामला दर्ज नहीं किया गया है। हम जांच कर रहे हैं कि क्या उनके खिलाफ भादंवि की धारा 153 के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है।

'चीन रिश्तों को दुरुस्त करने के लिए अमेरिका के साथ चर्चा को तैयार'

बीजिंग/भाषा

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बृहस्पतिवार को अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर से कहा कि उनका देश अमेरिका के साथ पटरी से उतरे रिश्तों को ठीक करने के लिए चर्चा को तैयार है। उन्होंने बुजुर्ग अमेरिकी राजनयिक से संबंधों को सुधारने में मदद करने का आग्रह किया जैसा उन्होंने 50 साल पहले दोनों देशों के बीच राजनयिक रिश्तों को स्थापित कर किया था। किसिंजर फिलहाल बीजिंग की यात्रा पर हैं। वह अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और वित्त मंत्री जेनेट येलेन की इस महीने हुई यात्रा के बाद यहां आए हैं। उनके अलावा वाशिंगटन के शीर्ष जलवायु दूत जोन कैरी भी रिश्तों को सुधारने के लिए चीन की यात्रा कर चुके हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी चीन के खिलाफ सख्त नीतियां अपनाई हैं जिसमें व्यापार और तकनीकी प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ क्वाड और ऑकस जैसे प्रभावशाली रणनीतिक समूहों का गठन शामिल है। क्वाड में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं जबकि ऑकस में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और ब्रिटेन शामिल हैं। इन्हें लेकर चीन का कहना है कि इन समूहों का मकसद उसके उदय को रोकना है। इस वजह से दोनों देशों के बीच रिश्ते काफी बिगड़ गए हैं। चिनफिंग चीन की यात्रा आए अमेरिकी अधिकारियों से मिलने से बचते हैं लेकिन वह किसिंजर से मिलने के लिए बीजिंग के दिआओयुताई राजकीय अतिथि गृह पहुंचे और चीन-अमेरिका के रिश्तों में सुधार करने के लिए उनकी मदद मांगी।

किसिंजर ने इसी अतिथि गृह में 1971 में बीजिंग की पहली यात्रा के दौरान राजनयिक रिश्ते स्थापित करने के लिए चीनी नेताओं से मुलाकात की थी। तब अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन थे। चिनफिंग ने किसिंजर के साथ मुलाकात के दौरान कहा कि 52 साल पहले चीन-अमेरिका रिश्तों में अहम मोड़ पर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष माओ त्से-तुंग, प्रधानमंत्री झोऊ एनलाइ, अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन और किसिंजर ने उल्लेखनीय रणनीतिक दृष्टि के साथ, चीन और अमेरिका के बीच सहयोग का सही विकल्प चुना था।

अधिकारियों ने कहा कि 100 वर्षीय किसिंजर निजी यात्रा पर चीन आए हैं। चीनी राष्ट्रपति ने कहा, इससे न सिर्फ दोनों देशों को फायदा हुआ, बल्कि दुनिया भी बदल गई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के मुताबिक, चिनफिंग ने कहा कि भविष्य के मद्देनजर, चीन और अमेरिका के पास एक-दूसरे की सफलता में साथ देने और साझा समृद्धि हासिल करने के तमाम कारण हैं।

'वीडी 13' में दिखेंगी मृणाल ठाकुर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी अगली फिल्म 'हाय नन्ना' की तैयारी कर रही हैं, साथ ही वह फिल्म 'वीडी 13' में विजय देवराकोंडा के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। अपने सह-कलाकार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि हर गुजरती फिल्म के साथ 'अर्जुन रेड्डी' ने यादगार किरदार दिए हैं। हाल ही में उन्होंने विजय के साथ अपनी अगली तेलुगु फिल्म की घोषणा की। उन्होंने साउथ के नानी और दुलकर सलमान के साथ काम किया है। मृणाल ने कहा कि इतने विविध अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिलना एक अवास्तविक एहसास है। उन्होंने कहा, जब मैंने सीता रामम पर काम करना शुरू किया तो दक्षिण फिल्म उद्योग के लोगों ने गर्मजोशी और प्यार से मेरा स्वागत किया। इंडस्ट्री में बेहतरीन कलाकार हैं। उन्होंने कहा कि मैं आभारी हूं कि मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिल रहा है। अभिनेत्री ने कहा, दुलकर, नानी और विजय अलग-अलग तरह के अभिनेता है। सेट पर मेरे लिए कभी भी सुस्त दिन नहीं होता। जो प्यार मुझे सीता रामम के लिए मिला, मुझे उम्मीद है कि वही प्यार मुझे मेरी आने वाली फिल्मों 'हाय नन्ना' और 'वीडी13 ' के लिए भी मिलेगा। विजय के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैं विजय के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि मैं जानती हूं कि हम अभिनेता के रूप में एक-दूसरे से सीख सकते हैं। फिलहाल हमने तैयारी शुरू कर दी है और फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। विजय के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने को लेकर मैं उत्साहित हूं।

फिल्म 'सनक' 28 को होगी रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह की आने वाली फिल्म 'सनक' 28 जुलाई को सिनेमाघरों में होगी। फिल्म सनक को रेणु विजय फिल्म्स इंटरटेनमेंट के द्वारा ऑल ओवर इंडिया में रिलीज किया जा रहा है। इसकी जानकारी रेणु विजय फिल्म्स के निशांत उज्ज्वल ने दी।

उन्होंने बताया कि फिल्म 'सनक' में पवन सिंह का जलवा दर्शकों को खूब देखने को मिलेगा। साथ ही इस फिल्म में राघव नैयर की भी अदाकारी मुख्य आकर्षण होगी। उन्होंने बताया कि फिल्म 'सनक' बिहार के साथ-साथ झारखंड, उत्तर प्रदेश, मुंबई, गुजरात और पंजाब में एक साथ रिलीज होने वाली है।

वही फिल्म को लेकर पवन सिंह ने भी अपने फैंस से सिनेमाघरों में जाकर इसे देखने की अपील की

और कहा कि सनक एक जबरदस्त कहानी पर बनी फिल्म है। यह भोजपुरी सिनेमा के लिए बेहद खास फिल्म होने वाली है इसलिए हम अपने सभी दर्शकों से आग्रह करेंगे कि वे अपने दोस्तों और परिजनों के साथ जाकर सिनेमाघरों में इस फिल्म को जरूर देखें। इस फिल्म में एक्शन भी मिलेगा। इमोशन भी मिलेगा। रोमांस भी मिलेगा। यानी इंटरटेनमेंट भरपूर मिलने वाला है। हमने इस फिल्म पर बेहद मेहनत की है और यह बड़े बजट की फिल्म है। इस फिल्म में बहुत कुछ दर्शकों को नया मिलने वाला है।

वही फिल्म को लेकर राघव नैयर ने कहा कि यह उनकी लाइफ के शानदार फिल्मों में से एक है। भोजपुरी सिनेमा में अब बहुत कुछ बदल गया है जो दर्शकों को भी अपनी और आकर्षित करता है। हमारी फिल्म में भी ऐसी कई सारी बातें देखने को मिलेंगी। फिल्म सनक के निर्माता अभय सिन्हा, प्रशांत जम्मूवाला और अनिल कुमार सिंह हैं। जबकि फिल्म का निर्देशन प्रेमांशु सिंह ने किया है और इस फिल्म में संगीत ओम झा ने दिया है।

इस फिल्म में पवन सिंह और राघव नैयर के साथ स्मृति सिन्हा और अवधेश मिश्रा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वही अनारा गुप्ता, अमित शुक्ला और विष्णु शंकर बेलू फिल्म में अहम किरदार निभाते नजर आने वाले हैं।

फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' से आलिया का लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट की आने वाली हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन से उनका लुक रिलीज हो गया है। आलिया भट्ट फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' से हॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म में आलिया नेगेटिव किरदार में नजर आएंगी।हार्ट ऑफ स्टोन का निर्देशन टॉम हार्पर ने किया है। हार्ट ऑफ स्टोन में जेमी डोर्नन, आलिया भट्ट और गैल गैडोट की अहम भूमिका है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने इस फिल्म से आलिया की एक नई तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा है, आलिया भट्ट हमारे दिलों और दिल को हैक करने आ रही हैं। 11 अगस्त को हार्ट ऑफ स्टोन केवल नेटफ्लिक्स पर।

किआरा आडवाणी, उर्मिला, अक्षय ने मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना पर क्षोभ जताया

मुंबई/भाषा

अभिनेता अक्षय कुमार, संजय दत्त व अभिनेत्री कियारा आडवाणी और उर्मिला मातोंडकर ने मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने की घटना पर क्षोभ व्यक्त करते हुए इसके दोषियों को कठोर सजा दिए जाने की मांग की है।

चार मई को हुई इस 'भयानक' घटना का वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया है। यह वीडियो एक पूर्वनियोजित विरोध मार्च की पूर्व संध्या पर सामने आया। इंडीजीनियस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने अपनी दुर्दशा को बयां करने के लिए बृहस्पतिवार को इस विरोध मार्च का ऐलान किया था। पूर्वोत्तर राज्य तीन मई से जातीय हिंसा की चपेट में है और यहां अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है।

अभिनेता अक्षय कुमार ने कहा कि वह मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा का वीडियो देखकर 'स्तब्ध और निराश' हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''मुझे उम्मीद है कि दोषियों को इतनी कड़ी सजा मिलेगी कि कोई फिर ऐसी खौफनाक हरकत करने की सोच भी न सके।'' साल 2020 में शिवसेना में शामिल हुईं उर्मिला ने कहा कि यह स्तब्ध करने वाला है कि मई में हुई घटना पर अधिकारियों द्वारा 'कोई कार्रवाई' नहीं की गई।

उन्होंने ट्वीट किया, ''मणिपुर के वीडियो से स्तब्ध और भयभीत हूं। चिंताजनक बात यह है कि घटना मई में हुई और इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। शर्म आनी चाहिए उन लोगों को जो सत्ता के नशे में चूर हैं और ऊंचे पदों पर बैठे हैं... मशहूर हस्तियां जो चुप हैं। प्यारे भारतीयों हम ये कहां आए गए हैं।'' कियारा आडवाणी ने कहा कि वह प्रार्थना कर रही हैं कि महिलाओं को जल्द से जल्द इंसाफ मिले। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा का वीडियो भयावह है और इसने मुझे अंदर तक झकझोर दिया है... इसके जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।''

अभिनेता संजय दत्त ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा वाला वीडियो हिला देने वाला और दर्दनाक है। अभिनेता कहा, ''मुझे पूरी उम्मीद है कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी, जिससे यह स्पष्ट संदेश मिले कि इस तरह की हरकत को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'' संगीतकार विशाल डडलानी ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर लिखा, ''यह पूछना बंद करें कि वह चुप क्यों हैं। जिन लोगों ने यह विवाद पैदा किया है उन लोगों से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वे इसके खिलाफ बोलेंगे।''

पुलिस ने कहा है कि अज्ञात हथियारबंद उपद्रवियों के खिलाफ थौबल जिले के नोंगपोक सेकमाई थाने में अपहरण, सामूहिक बलात्कार और हत्या का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि चार मई के वीडियो में दिख रहे एक मुख्य आरोपी को मणिपुर पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने इस घटना को 'शर्मनाक, भयावह और जंगलराज' करार दिया।

रेणुका शहाणे ने सवाल किया कि क्या मणिपुर में 'अत्याचार रोकने वाला कोई नहीं है'? शहाणे ने ट्वीट कर कहा, ''अगर इस वीडियो ने आपकी अंतरआत्मा को नहीं झकझोरा है तो आपको खुद को भारतीय या इंडियन कहना तो दूर इंसान कहलाने का भी अधिकार नहीं है।'' अभिनेता ने रितेश देशमुख ने कहा कि वह 'गुस्से से भरे' हुए हैं उन्होंने कहा, ''इस तरह के अपराध के दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। एक महिला की गरिमा पर हमला मानवता पर हमला है।'

' इस घटना पर टिप्पणी करते हुए फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री ने ट्वीट कर कहा, ''हम एक विफल समाज हैं।'' संसद के मानसून सत्र से पहले मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाये जाने की घटना पर कानून अपनी पूरी ताकत से काम करेगा।

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र और मणिपुर सरकार को तत्काल कदम उठाने और वीडियो पर की गई कार्रवाई के बारे में उसे जानकारी देने का निर्देश दिया।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा कि वह प्रधानमंत्री और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को पत्र लिखकर दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने के मामले में सख्त कार्रवाई के लिए कहेंगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित एवं मुनिश्री हिमांशुकुमारजी के सान्निध्य में आयोजित 'पॉवर ऑफ रेसिलियंस' की कार्यशाला गांधीनगर भवन के तत्वावधान में हुई। अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल ने सबका स्वागत किया और कन्या मंडल की संयोजिका हर्षिता सेठिया व सह संयोजिका एकता सिसोदिया के नाम की घोषणा की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अक्षर पुरुषोत्तम दर्शन

देश विदेश में लगभग 1200 अक्षरधाम मंदिर हैं। दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर तो अद्भुत है। बेंगलूरु के वेस्ट आफ कार्ड रोड पर भी नयनाभिराम अक्षरधाम मंदिर है। बुधवार को दक्षिण भारत राष्ट्रमत हिंदी दैनिक के समूह संपादक श्रीकांत पाराशर श्री स्वामीनारायण संप्रदाय के अक्षरधाम मंदिर पहुंचे। मंदिर से जुड़े रोहित भाई शाह के माध्यम से बेंगलूरु अक्षरधाम मंदिर के प्रमुख सरलजीवन स्वामीजी से भेंट हुई जिन्होंने मंदिर संबंधी सभी जानकारियां दीं। श्री पाराशर ने श्री नीलकण्ठवर्णी महाराज का अभिषेक किया और मुख्य मंदिर, जहां अक्षर पुरुषोत्तम भगवान के विग्रह विराजमान हैं, की आरती में भी शामिल हुए।

'जिन्दल' के श्रीराम मंदिर में नानीबाई का मायरा कथा आज से

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय श्रीराम नाम प्रचार समिति के तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर जिंदल नेचुरोपेथी प्रांगण में श्रीराम मंदिर में 'नानीबाई का मायरा' तीन दिवसीय कथा का आयोजन शुक्रवार से किया जा रहा है। शंभुदयाल पारीक ने बताया कि संगीतमय नृत्य नाटिका के साथ मायरा कथा का वाचन वृंदावन से आई कथावाचिका सुश्री राधाकिशोरीजी करेंगी। तीनों दिन दोपहर 2 बजे से शुरु होने वाली इस कथा में आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया है।

'पॉवर ऑफ रेसिलियंस' नामक कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित एवं मुनिश्री हिमांशुकुमारजी के सान्निध्य में आयोजित 'पॉवर ऑफ रेसिलियंस' की कार्यशाला गांधीनगर भवन के तत्वावधान में हुई। अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल ने सबका स्वागत किया और कन्या मंडल की संयोजिका हर्षिता सेठिया व सह संयोजिका एकता सिसोदिया के नाम की घोषणा की। मुनिश्री हेमंतकुमारजी ने कहा कि अपने काम से प्रेम करो, अपनी क्षमता के अनुसार कार्य करें उसी से हमें सम्मान एवं प्रसिद्धि प्राप्त हो सकेगी। हमारे पास जो है उससे संतुष्टि का भाव रखना चाहिए। हमें घटनाओं से ऊपर उठना है। व्यक्ति को अपना दृष्टि कोण बदलना चाहिए। हमेशा पुरानी बात को भूलकर नए अवसर खोजना चाहिए। मुनिश्री हिमांशुकुमारजी ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में बहुत से उतार-चढ़ाव, तनाव, विपरीत परिस्थितियों से गुजरता है और हम इनसे निकल नहीं पाते। लेकिन हमें इसे चुनौती की तरह स्वीकार कर ऐसी परिस्थितियों से बाहर निकलना चाहिए। जब कुछ नया करना है तो खुद पर विश्वास करना होगा,फिर अपना संतुलन बनाए रखना होगा और भावों पर नियंत्रण रखना। भावों पर नियंत्रण रखने के लिए सबसे पहले संकल्प शक्ति होना अनिवार्य है, फिर सहिष्णुता की अनुप्रेक्षा करनी चाहिए। संकल्प शक्ति दृढ़ होती है तब हम परिस्थिति से बाहर निकल पाते है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य वीणा बैद, निर्मला सोलंकी, अनीता गांधी, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, सहमंत्री प्रमिला धोखा, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया आदि उपस्थित थीं। सहमंत्री वीणा पोरवाल ने धन्यवाद दिया तथा संचालन मंत्री ज्योति संचेती ने किया।

आदर्श कॉलेज में डिग्री सत्र के नए प्रथम वर्ष का शुभारंभ हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित एसआरएन आदर्श में यूजी पाठ्यक्रम 2023-24 का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को कॉलेज में हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में बिजनेस कोच और शिक्षाविद करणकुमार उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. प्रशांत ने स्वागत भाषण दिया तथा अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर सत्र की शुरुआत की। इस मौके पर करण कुमार ने शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सतत, समावेशी और न्यायसंगत आर्थिक विकास के लिए शिक्षा अति आवश्यक है। शैक्षणिक डीन डॉ. मनोज जैन ने कहा कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास, सर्वांगीण विकास व और औद्योगिक एक्सपोजर के लिए तथा विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए कॉलेज का अपना महत्व है।

कॉलेज के सचिव जितेन्द्र मरड़िया ने कहा कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने व भविष्य को उज्वल बनाने के लिए किसी भी पाठ्यक्रम को पूरी ईमानदारी से पूरा करना जरुरी है। अध्यक्ष पदमराज मेहता ने कहा कि कॉलेज विद्यार्थी के जीवन में कौशल विकास व भविष्य निर्माण के लिए महत्त्वपूर्ण होता है।

बीसीए की प्रमुख पूर्णप्रजना ने धन्यवाद दिया। बीसीओएम की प्रमुख वीणा सवेकर ने भी अपने विचार साझा किए।

शहर के दूसरे तेयुप राजाजीनगर 'हेल्थ क्लब' का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में फिट युवा हिट युवा के अंतर्गत देश के दसवें हेल्थ क्लब का राजाजीनगर में राष्ट्रीय महामंत्री पवन मांडोत की अध्यक्षता में जैन संस्कार विधि से हुआ। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर पवन मांडोत ने कहा कि युवाओं के स्वास्थ जीवन के प्रति जागरूकता हेतु अभातेयुप ने नव आयाम को जोड़ा है, जिसमें पूरे देश भर से शाखा परिषदों का अच्छा उत्साह दिख रखा है। परिणामस्वरूप आज भारत का दसवां एवं बेंगलूरु का द्वितीय 'हेल्थ क्लब' का उद्घाटन हुआ। अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा, राजाजीनगर सभा अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी, महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी ने शुभकामनाएं दी। प्रशिक्षक पूजा गुगलिया, रेणु कोठारी, विनोद पावेचा एवं महेंद्र सिंघवी ने योग एवं व्यायाम का प्रशिक्षण दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्रेक्षाध्यान प्रशिक्षक डालमकुमार सेठिया, अभातेयुप साथी अमितजी दक, तेयुप अध्यक्ष राकेश पोखरणा, यशवंतपुर अध्यक्ष जिगर मारू सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। मंच संचालन मंत्री कमलेशचोरड़िया ने किया। आभार ज्ञापन राजेश देरासरिया ने व्यक्त किया। फिट युवा-हिट युवा के संयोजक पवन कोठारी एवं जीतू मेहता ने व्यवस्था संभाली ।

'अच्छी बातों को हमेशा ग्रहण करना चाहिए'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने 3 शब्द बताएं हैं हेय यानी छोड़ने योग्य। ज्ञेय यानी कजानने योग्य। उपादेय यानी की ग्रहण करने योग्य। हमें हंस के समान अच्छी चीजों को ग्रहण करना चाहिए एवं खराब वस्तुओं को छोड़ देना चाहिए। हम हमेशा अच्छी बातों को ग्रहण करके अपने जीवन को सुंदर बना सकते हैं। हमारे जीवन की गाड़ी चलानी है तो हमें भोजन करना ही पड़ता है । पर, भोजन कब खाना, कितना खाना, कैसे खाना, इसका विवेक रखना जरूरी है। सूर्य की धूप के समय हमारी पाचन शक्ति अच्छी रहती है। और सूर्य अस्त होने के बाद खाने के पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, इसलिए रात्रि भोजन का निषेध किया गया है। जो खाना खाने से आदमी बीमार हो सकता है ऐसा खाना नहीं खाना चाहिए। इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने कहा कि अगर हमें जीवन में कुछ प्राप्त करना है तो इन बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। हमेशा दूसरों के सद्गुण देखना। हमें अपनी कमजोरी को दूर करना और आगे बढ़ना चाहिए। साध्वीश्री अनुज्ञाश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

बैनर अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुम्बई में विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी द्वारा अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट 2023 के बैनर का विमोचन हुआ। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश नाहर, महामंत्री भीकम सुराणा, उपाध्यक्ष विनोद कोठारी, सहमंत्री मनोज सिंघवी, राष्ट्रीय संयोजक एवं संगठनमंत्री राजेश चावत एवं कर्नाटक राज्य प्रभारी लाभेश कांसवा आदि उपस्थित थे।

जीवन में पाप कर्मो से हमें बचना चाहिए : संत रामप्रकाश

बलेपेट बडेर में शिव महापुराण कथा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सीरवी समाज कर्नाटक ट्रस्ट बलेपेट भवन में गुरुवार चातुर्मास विराजित रामप्रकाशजी ने शिव महापुराणकथा का श्रवण करवाते हुए कहा कि शिव महापुराण उत्तम शास्त्र है। पृथ्वी लोक में सभी मनुष्यों को भगवान शिव के विशाल स्वरूप को समझना चाहिए।

इसे पढना एवं सुनना सर्वसाधक है। यह मनोवांछित फलों देने वाला है। इससे मनुष्य निष्पाप हो जाता है तथा सुखों का उपभोग करके अंत में शिवलोक को प्राप्त करता है। कथा का शुभारंभ आईमाता के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ वडेर के सचिव अमराराम चोयल ने सभी श्रद्धालुओं से कथा श्रवण करने का निवेदन किया। मंदिर के पुजारी अन्नाराम परिहारिया ने भगवान शिव शंकर के मधुर भजनों की प्रस्तु दी। इस अवसर पर आरती व प्रसाद के लाभार्थी हरिराम गेहलोत, प्रकाश गेहलोत, नारायणलाल पंवार, केसाराम हाम्बड़ रहे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरूष मौजूद थे।

भगवान शिव इस ब्रह्माण्ड के कर्ताधर्ता है : हेमलता शास्त्री

शिव पार्वती के विवाहोत्सव की झांकी सजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा माहेश्वरी भवन में श्रावण पुरुषोत्तम मास के अवसर पर सप्तदिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन कथावाचक देवी हेमलता शास्त्री ने शिव महापुराण कथा वाचन में कहा कि प्रत्येक जीव, जगत शिव की कृपा से चलते है, जो कल्याण करने वाले है वो शंकर है। कथावाचक ने शिवजी के समस्त श्रृंगार का वर्णन करते हुए सभी का महत्त्व बताया। तप करने के लिए नदी का किनारा, कोई तीर्थ हो तो और भी अच्छा। उससे भी श्रेष्ठ पर्वत का शिखर पर सबसे उत्तम स्थान वो जहां मन लग जाए। रुद्र संहिता का वर्णन करते हुए हेमलता शास्त्री ने कहा कि भक्त के लिए सभी वार श्रेष्ठ है। शिव सबका कल्याण करने वाले है। भगवान शिव इस ब्रह्माण्ड के कर्ताधर्ता है। शिव ही व्यक्ति को शून्य से आकाश बनाते है और शिव ही मानव को संसार के लायक बनाते है। शिव है तो सब कुछ है अन्यथा यह शरीर शव है। शिव की सम्पूर्णता भी सती से होती है। सती के अस्तित्व की कहानी बताते हुए कथावाचक ने कहा कि सती अर्थात शक्ति ही इस संसार का आधार है। सती है तो शिव है और शिव है तो संसार है।

कथा प्रारम्भ होने से पहले चन्द्रकला-रामकिशन राठी, सुमन-सुरेश अजमेर ने कथा पोथी की पूजा की। भगवान शिव पार्वती विवाहोत्सव की सुन्दर झांकी के दर्शन सभी भक्तों ने किए । श्रीनिवास-वंदना जाजू ने भगवान शिव पार्वती के रूप का श्रृंगार धारण किया। संचालन पल्लवी गिलड़ा ने किया। भगवान की आरती- पूजा मालानी, बिमला साबू, नीरा लड्ढा, श्वेता बियाणी ने की। धन्यवाद सपना भूतड़ा ने दिया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com